तापमान
अधिकतम 44.5 डिग्री
न्यूनतम 21.5 डिग्री

हरिभूमि
# सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार, 18 मई 2025

11 सैदपुर में केमिकल फैक्ट्री में आग, सामान...

12 100 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का...

### कहासुनी व भाई-बहन से मारपीट की रंजिश के चलते दिया था वारदात को अंजाम

# पुलिस ने मुठभेड़ के बाद लूटपाट का षड्यंत्र रच रहे दो हत्यारोपितों को किया गिरफ्तार

मुख्य हत्यारोपित के पैर मे गोली लगने से घायल, प्राथमिक उपचार के बाद किया रेफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-334 बी के पास गांव खेवड़ा स्थित नहर के रास्ते पर लूटपाट का षड्यंत्र रच रहे दो हत्यारोपियों को स्पेशल एंटी गैंगस्टर यूनिट (एसएयूजी) सेक्टर-7 ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित सूरज निवासी कुताणा हाल में सेक्टर-23 निवासी व प्रिंस निवासी नवदुर्गा कॉलोनी का है। मुठभेड़ में आरोपित सूरज के पैर में गोली लगी है। दोनों पर सोनीपत में सब्जी मंडी चौक पर युवक की हत्या और उनके दोस्त पर जानलेवा हमला करने का आरोप है। पुलिस मुठभेड़ में घायल युवक को नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उसे महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल खानपुर रेफर कर दिया गया।

**आरोपितों के खिलाफ बहालगढ़ थाने में केस दर्ज**

सोनीपत। मुठभेड़ स्थल पर जांच करते हुए डीसीपी व गोली लगने से घायल सूरज अस्पताल में उपचार करवाते हुए। फोटो : हरिभूमि

**वार्निंग देने के बाद भी नहीं माने:** हत्यारोपित राहगीरों को लूट का षड्यंत्र रच रहे थे। टीम ने गुप्त सूचना पर पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस टीम की तरफ उन्होंने गोली चला दी। बार-बार वार्निंग देने के बाद भी नहीं माने। पुलिस की तरफ से कार्रवाई में सूरज के पैर मे गोली लग गई। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही। -डीसीपी, नरेंद्र सिंह।

एसएयूजी प्रभारी अजय धनखड़ ने बताया कि वह शनिवार सुबह टीम के साथ बहालगढ़ चौक पर मौजूद थे। उन्हें सूचना मिली कि हत्या का आरोपित मूलरूप से यूपी के जिला बागपत के कुताणा हॉल सेक्टर-23 का निवासी सूरज व उसका साथी यूपी के जिला शामली के नौ कुआं रोड घेर बुखारी नजदीक नवदुर्गा वाली गली निवासी प्रिंस लोगों को लूटने की फिराक में है। वह एनएच-334बी के पास खेवड़ा के निकट नहर के कच्चे रास्ते पर है। जिस पर टीम ने तुरंत मामले से एसआई मंदीप की टीम को सूचना देकर बुलाया।

दोनों टीमों ने अलग-अलग घेराबंदी की। हाईवे से करीब 100 मीटर अंदर झाड़ियों में टीम पहुंची तो दो युवक दिखाई दिए। वह पुलिस टीम को देखकर भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर रुकने व आत्मसमर्पण करने को कहा तो सफेद रंग की टीशर्ट पहने युवक ने अचानक हवलदार प्रदीप पर गोली चला दी। प्रदीप ने बचाव करते हुए फायर किया तो आरोपित के पैर में जाकर गोली लगी। जिससे वह गिर गया। पुलिस ने उसे काबू कर लिया। आरोपित की पहचान सूरज के रूप में हुई। वहीं दूसरे आरोपित को मंदीप की टीम ने काबू कर लिया। उसकी पहचान प्रिंस के रूप में हुई।

पुलिस ने सूरज के पास से पिस्तौल बरामद किया। पुलिस ने सूरज को नागरिक अस्पताल में भर्ती करा दिया। पुलिस ने आरोपितों पर हत्या की कोशिश का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

## यूपी में सूरज का आपराधिक रिकार्ड

एसएयूजी प्रभारी अजय धनखड़ ने बताया कि पुलिस टीम की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से घायल सूरज का पहले भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। पुलिस जानकारी जुटा रही है। बागपत पुलिस से सभी संपर्क किया गया है। अभी तक मारपीट के मामलों के बारे में जानकारी मिली है। जल्द पूरा रिकार्ड खंगाला जाएगा। मूलरूप से उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के कुताणा गांव निवासी विपिन कुमार ने 15 मई को पुलिस को बताया था कि वह और उनका भाई राहुल सोनीपत सब्जी मंडी में सब्जी का व्यापार करता था। करीब एक वर्ष पूर्व गांव कुताणा में ही आरोपित सूरज की विपिन के बेटे रिंकू और भाई राहुल से कहासुनी हुई थी, जिससे आरोपित परिवार में रंजिश हो गई थी। बृहस्पतिवार रात को जब वह और राहुल सब्जी मंडी से गाड़ी से लौट रहे थे, राहुल दोस्त सुरजीत की दुकान पर रुक गया था। तभी बाइक पर सवार दो हमलावरों ने राहुल और सुरजीत को गोली मार दी थी। जिसमें राहुल की मौत हो गई थी।

### एक सप्ताह पहले भाई से की थी मारपीट, बहन के पेट में मारी थी लात

अस्पताल में घायल अवस्था में भर्ती करवाए सूरज ने बताया कि राहुल अक्सर उसके परिवार के सदस्यों के साथ झगड़ा करता रहता था। करीब एक सप्ताह पहले उसके भाई को कार में जबरदस्ती डालकर ले गए थे। उसके साथ मारपीट की थी। वहीं उसकी बहन के पेट में भी लात मारी थी। बार-बार राहुल उसके परिवार व उसे जान से मारने की धमकी देता रहता था। जिसके चलते उसने वारदात को अंजाम दिया।

खरखौदा। नारियल तोड़कर मार्ग के पुनर्निर्माण का श्रीगणेश करते एमएलए।

## खरखौदा-दिल्ली मार्ग के पुनर्निर्माण का मार्ग प्रशस्त

खरखौदा। वर्षों से खस्ताहाल खरखौदा - दिल्ली मार्ग का पुनर्निर्माण अब नए सिरे से किया जाएगा। लोक निर्माण विभाग ने इस दिशा में कदम उठाया है। शनिवार को विधायक पवन खरखौदा ने नारियल तोड़कर इस बहुप्रतीक्षित परियोजना का विधिवत शुभारंभ किया। वर्णित सड़क मार्ग का निर्माण कार्य खरखौदा आईएमटी गेट से लेकर केएमपी मोड़ तक होगा। जिस पर लगभग 7 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाएगी। इस मार्ग की हालत खराब होने के कारण क्षेत्रवासियों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। विधायक पवन खरखौदा ने कहा कि जिस कार्य का आज शिलान्यास किया गया है, वह क्षेत्र की एक बड़ी मांग थी। जिसे आज अमलीजामा पहनाया जा रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सड़क निर्माण का पहला चरण 9 माह के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। सड़क पुनर्निर्माण से जहां क्षेत्रवासियों को राहत मिलेगी, वहीं व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

## फोन छीनकर भागे तीन युवक बाइक असंतुलित होने से सड़क पर गिरे

सोनीपत। कुंडली थाना क्षेत्र में मोबाइल फोन छीनकर भागे तीन युवक बाइक असंतुलित होकर सड़क पर गिरकर घायल हो गए। राहगीरों ने युवक को पकड़कर उनकी पीटाआई कर दी। उसके बाद आरोपितों को पुलिस के हवाले कर दिया। गांव शिवकोपूरावा प्रतापगढ़ हाल में प्याऊ मनियारी निवासी प्रदीप ने बताया कि वह मास्टर पैकिंग राई में ऑप्रेटर की नौकरी करता है। गत 16 मई को कंपनी से छुट्टी होने के बाद अपने घर पर जा रहा था। रास्ते में वाइन शॉप के पास बीयर पीने के लिए रूक गया। उसके बाद तीन युवक उसके पास बाइक पर पहुंचे। उन्होंने उसका रास्ता रोककर हमला कर दिया। उसके बाद मोबाइल उठाकर भागने लगा। जीटी रोड पर चढ़ते समय उनकी बाइक फिसल गई। जिसके चलते वह बाइक से गिर गए। राहगीरों ने उन्हें काबू कर लिया। उसके बाद उनकी पीटाई कर दी। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। जांच अधिकारी एसआई राहुल ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जल्द आरोपितों को काबू कर कार्रवाई की जाएगी।

South Point
GROUP OF INSTITUTIONS, SONIPAT
Run by Mange Ram Educational and Charitable Trust (Regd.)
98120 20033, 98124 21919, 90344 72910
Direct Admission
SOUTH POINT INSTITUTE OF TECHNOLOGY & MANAGEMENT
B.Tech / LEET (CSE, ECE, MECHANICAL, CIVIL)
M.Tech (CSE, ECE) ● M.Tech Part Time (ECE / CSE)
SOUTH POINT SCHOOL OF POLYTECHNIC
Diploma / LEET (CSE, ECE, ELECTRICAL, MECHANICAL, CIVIL, MLT)
SOUTH POINT SCHOOL OF COMPUTER APPLICATION & MANAGEMENT
BBA, BCA, MBA, MCA
SOUTH POINT COLLEGE OF LAW B.A. LL.B (Hons.), L.L.B. (Hons.), LLM (Hons.)
SOUTH POINT DEGREE COLLEGE
B.A., B.Sc. (Medical/Non-Medical), B.Com, M.Com, PGD (Yoga)
M.Sc. (Physics, Chemistry, Maths) ● M.A. (English, Hindi, History, Pol. Science)
SOUTH POINT P.G. COLLEGE OF EDUCATION
B.Ed., M.Ed., JBT / D.Ed., B.P.Ed.
MANGE RAM WOMEN'S COLLEGE OF EDUCATION B.Ed.
SOUTH POINT COLLEGE OF PHARMACY
D.Pharm, B.Pharm, B. Pharm / Leet
MANGE RAM COLLEGE OF PHARMACY D.Pharm
SOUTH POINT COLLEGE OF NURSING
B.Sc. (Nursing)
SOUTH POINT WORLD SCHOOL
SOUTH POINT PUBLIC SCHOOL
CBSE Affiliated, Senior Secondary Schools
DILBAG S. KHATRI
Chairman
www.southpoint.net.in

## टायर पंचर दुकान संचालक से मारपीट, बीच-बचाव करने आए भाई पर भी हमला

सोनीपत। सदर थाना क्षेत्र के गांव उल्देपुर में एक एक व्यक्ति टायर पंचर लगाने वाले युवक से मारपीट कर घायल करने व बीच-बचाव करने आए उसके भाई पर हमला कर घायल करने का मामला सामने आया है। घायलों ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। गांव उल्देपुर निवासी करण ने बताया कि वह गांव में ही टायर पंचर की दुकान चलाता है। करण ने पुलिस को बताया कि वह अपनी दुकान मौजूद था। तभी गांव का ही गजेंद्र उसके साथ हाथापाई करने लगा। करण ने बताया कि जब वह इसकी शिकायत सदर थाने में देकर वापस आ रहे थे, तो अपनी दुकान के पास पहुंचने ही वाले थे कि उनकी बाइक के सामने एक काली रंग की स्कार्पियो गाड़ी आकर रुकी। आरोप है कि गजेंद्र का बेटा आशीष अपने सात-आठ साथियों के साथ स्कॉर्पियो से उतरा और उसे लाठी-डंडों से पीटा। गजेंद्र का कहना है कि शोर सुनकर उसका भाई जितेंद्र उसे बचाने आया तो आरोपितों ने उसे भी लाठी-डंडों से पीटा। इसके बाद आरोपित आशीष और उसके साथी जान से मारने की धमकी देकर चले गए। परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां चिकित्सक ने उसकी हालत गंभीर होने के चलते महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल के बयान पर आरोपितों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

## गोहाना: केबल की तार काटने के विवाद में 3 युवकों पर हमला

**कमरे में बंद करके पीटा, फोन डीवीआर और रुपये भी ले गए**

गोहाना। टीवी केबल की तार काटने के विवाद में तीन युवकों पर हमला किया गया। उनको कमरे में बंद करके पीटा गया। आरोप है कि हमलावर तीनों युवकों को कमरे में बंद करके मोबाइल, डीवीआर व रुपये ले गए। शहर थाना में दो नामजद और छह अन्य के विरुद्ध केस दर्ज किया गया।

जींद जिले के बाघड़ गांव के दीपक ने पुलिस को बताया कि वह जेडीसीएन केबल के संचालक अशोक के पास गोहाना में नौकरी करता है। नौ मई को उसका व बजाना गांव के अजीत का केबल की तार काटने को लेकर झगड़ा हो गया था। इस पर अजीत ने दोबारा से केबल काटने पर उसे व उसके मालिक को सबक सिखाने की धमकी दी थी। गुरुवार रात को वह अपने साथी रभड़ा गांव के मनोज व बाघड़ कलां गांव के अंकित के साथ रोहतक-मेहम संपर्क मार्ग स्थित कार्यालय के बाहर बैठे थे। उसी समय अजीत व सुमित और उनके पांच-छह साथी गाड़ियों में आए और उनके साथ मारपीट करने लगे। मारपीट का विरोध किया हमलावर उन्हें उठाकर उनके कार्यालय में ले गए। वहां अजीत ने अपना पिस्तौल निकाल कर उसकी कनपटी पर लगाया। उसके बाद हमलावरों ने उसे व उसके साथियों पर डंडों और लोहे की राड से हमला किया। हमलावर कार्यालय से डीवीआर, अंकित का मोबाइल और काउंटर में रखे रुपये ले गए। आरोपितों ने उन्हें कमरे में बंद कर दिया और धमकी दी कि गोहाना में दिखाई दिए तो जान से मार देंगे। मनोज का फोन लेकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर आई और उसके बाद उनको नागरिक अस्पताल ले जाया गया। यहां से उनको भगत फूल सिंह राजकीय महिला मेडिकल कालेज के अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। इस उपचार कराने सोनीपत के निजी अस्पताल में गए।

LITTLE ANGELS SR. SEC. SCHOOL, SONIPAT
Co-Ed English Medium School (Affiliated to CBSE, New Delhi) 9215003624/39/40/51 info@littleangelsschool.in
XII Board Result
3RD in city
BHUMI (1st in School)
97.4%
Commerce
Stream-wise Toppers
2ND in city
YATIN SALUJA (95.4%)
Non Medical
ANANYA SHARMA (96.6%)
Humanities
VANSHIKA SAPRA (91.4%)
Medical
Website facebook YouTube Instagram
X Board Result
2ND in city
98.8%
SHREYA RAWAL
1ST in School
Little Angels Family takes pride in announcing the stellar performance of Class XII & Class X students in Board Exams
Heartiest Congratulations
To our diligent students, dedicated teachers and supportive parents
3RD in city
DISHA SHARMA (98.6%)
2ND in School
13 students scored 95% & above
59 students scored 90% & above
159 students scored 75% & above
100% Result
70 students scored 95% & above
154 students scored 90% & above
297 students scored 75% & above
PARIGYA SAINI (98.4%) 3RD in School
SIYA MADAN (98.4%) 3RD in School
ADMISSION OPEN FOR ALL STREAMS OF CLASS XI (SCHOLARSHIP FOR MERITORIOUS STUDENTS)

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान ट्यूबवेल लगाने के कार्य का शुभारम्भ करते हुए साथ में ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

## विधायक ने नारियल फोड़ नए ट्यूबवेल का किया उद्घाटन

गन्नौर। पांची जाटान गांव में स्वच्छ पेयजल की सुविधा के लिए दो नए ट्यूबवैल लगाए जा रहे हैं। विधायक देवेंद्र कादियान ने गांव में नारियल फोड़कर एक ट्यूबवैल लगाने के कार्य का शुभारम्भ किया। यह ट्यूबवैल खत्री पाना में लोगों को साफ पानी देगा। दूसरा ट्यूबवैल सरकारी स्कूल परिसर में लगेगा। दोनों ट्यूबवैल पर पब्लिक हेल्थ विभाग करीब 50 लाख रुपए खर्च करेगा। विधायक के गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने फूलमालाओं से स्वागत किया। लोगों ने पानी की सुविधा मिलने पर आभार जताया। ग्रामीणों की मांग पर तुरंत कार्रवाई करते हुए दो ट्यूबवैल की व्यवस्था की गई है। श्मशान घाट के पास पहला ट्यूबवैल चालू कर दिया गया है। दूसरा ट्यूबवैल लगाने का काम जल्द शुरू होगा। दोनों ट्यूबवैल चालू होने के बाद गर्मी में पानी की किल्लत नहीं होगी। विधायक ने कहा कि वह लोगों को सभी मूलभूत सुविधाएं दिलाने के लिए वचनबद्ध हैं। सरकार के सहयोग से क्षेत्र में विकास कार्य लगातार कराए जा रहे हैं। इस मौके पर एसडीओ प्रीतम, प्रदीप सिंह, जेई प्रिंस, मंजीत, सेक्रेटरी नीरज, बादल पहलवान, विष्णु, मनोज, अशोक, बबलू, धर्मवीर, वेदपाल, परविंद्र सरोहा, मंगल, सुरेश, सुभाष, सतपाल और महेश मौजूद रहे। ग्रामीणों ने विधायक के सामने अपनी कई समस्याएं भी रखीं। विधायक ने समाधान का आश्वासन दिया।

■ पांची जाटान में दो नए ट्यूबवैल, गर्मी में नहीं होगी पानी की किल्लत

OM SHANTI SHIKSHA SADAN, NATHUPUR
COME TO LEARN GO TO SERVE
OM SHANTI SHIKSHA SADAN
Affiliated to CBSE • Affiliation No :- 530710
35 Years of ACADEMIC EXCELLENCE
CONGRATULATIONS ON REMARKABLE RESULTS!!
Grade 12th CBSE Result 2025
ANKIT 95.2 % (SCI)
SHYAM 93.6 % (COM)
ANUSHKA 93.2 % (COM)
PRACHI 91.4 % (SCI)
KRISHNA 89.6 % (SCI)
RIYA 88.4 % (ARTS)
TANNU 88.2 % (SCI)
LOKESH 86.8 % (SCI)
PRINCE 82 % (COM)
YUKTI 80.6 % (ARTS)
YASH 80.2 % (SCI)
Grade 10th CBSE Result 2025
SUPRIYA 92.8 %
ANJU 92 %
VAISHNAVI 92 %
KARTIK 91.8 %
YASHIKA 89.6 %
NEHA 89.4 %
SARA 89 %
RADHA 86.4 %
GARV 85.6 %
RAKSHIT 84.6 %
DEEPAK 83.6 %
NIKHIL 83.4 %
ANSH 83 %
RANA PRATAP 81.6 %
MANSI 81.4 %
BHAVYA 81 %
RADHIKA 81 %
SPECIAL COCHING FOR IIT -JEE AVAILABLE
Admission Open Nursery to 12th 9053333297, 9813712198
SECTOR-46, NATHUPUR ROAD, SONIPAT HARYANA | Website : www.omshantisss.com

किसी शेयर को लंबे वक्त तक होल्ड करना सबसे बड़ी भूल

●

**इससे आपने जो मुनाफा कमाया है वह सुरक्षित रहेगा**

●

भविष्य में होने वाले नुकसान से भी बचा जा सकेगा

●

**पोर्टफालियो संतुलित रहेगा, निवेश को परेशानी नहीं**

●

और बेहतर मौका मिले तो पैसा लगाने की स्वतंत्रता मिलेगी

किसी शेयर को लंबे वक्त तक होल्ड करना बड़ी भूल साबित हो सकती है, खासकर जब वह आपके लक्ष्यों से भटक गया हो या लंबी होल्डिंग के बाद भी अपेक्षित रिटर्न नहीं मिल रहा है तो बाहर निकलना बेहतर रणनीति है। इसमें बने रहना उतना ही खतरनाक है, जितना किसी गलत शेयर में पैसा लगाना। एक सोची-समझी एग्जिट रणनीति भावनाओं को काबू रखती है। गलत फैसले लेने से बचते हैं।

# लंबी-होल्डिंग के बाद भी मनचाहा रिटर्न नहीं तो बाहर निकलना सही

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेशक हैं और अच्छा खासा पैसा निवेश कर रखा है। इसके बाद भी मनचाह रिटर्न नहीं मिल रहा है तो आपका निवेश से बाहर निकल जाना ही बेहतर है। इससे आपने जो मुनाफा कमाया है वह सुरक्षित रहेगा और आपको भविष्य में मौका मिले तो निवेश करने के लिए आपके पास लिक्विडिटी बनी रहेगी। हालांकि यह निर्णय कई कारकों पर निर्भर करता है, जैसे कि आपके निवेश लक्ष्य, जोखिम सहनशीलता, और बाजार की स्थिति। यदि आपने लंबी अवधि के लिए निवेश किया है और आपको लगता है कि आपका निवेश आपके लक्ष्यों को पूरा नहीं कर रहा है, तो आप कुछ विकल्पों पर विचार कर सकते हैं। आपको अपने निवेश का पुनः मूल्यांकन करना चाहिए और और देखें कि क्या आपको अपने निवेश को समायोजित करने की आवश्यकता है। अपने निवेश को विविध बनाने पर विचार करें ताकि आप अपने जोखिम को कम कर सकें। शेयर बाजार में सही एंट्री जितनी मायने रखती है, उतनी ही सही एग्जिट भी। रिटेल निवेशकों के लिए यह तय करना मुश्किल होता है कि शेयर से कब निकलें। इसका नतीजा यह होता है कि वे कई बार अच्छा मुनाफा नहीं कमा पाते या नुकसान उठा लेते हैं। इसलिए, जब भी किसी स्टॉक में निवेश करें, तो निकलने की रणनीति जरूर बनाएं। यह आपको सही समय पर प्रॉफिट बुक करने, नुकसान को कम करने या किसी अन्य बेहतर अवसर पर ध्यान देने में मदद करेगा।

### जरूरत से ज्यादा होल्ड अच्छी रणनीति नहीं

किसी शेयर को लंबे वक्त तक होल्ड करना बड़ी भूल साबित हो सकती है, खासकर जब वह आपके लक्ष्यों से भटक गया हो। या लंबी होल्डिंग के बाद भी अपेक्षित रिटर्न नहीं मिल रहा है तो बाहर निकलना बेहतर रणनीति है। इसमें बने रहना उतना ही खतरनाक है, जितना किसी गलत शेयर में पैसा लगाना। एक सोची-समझी एग्जिट रणनीति भावनाओं को काबू रखती है।

#### तय लक्ष्य हासिल करने पर

अगर आपने किसी शेयर को खरीदते समय टारगेट तय किया है। वह पूरा हो गया है तो प्रॉफिट बुक करना अच्छा फैसला है। बिना किसी रणनीति के किसी शेयर में लंबे समय तक बने रहना सही नहीं है।

#### फंडामेंटल्स या वित्तीय सेहत में गड़बड़ी

कंपनी की वित्तीय सेहत पर नजर रखें। कई तिमाहियों में आय या मुनाफे में गिरावट है, कर्ज बढ़ रहा है, मैनेजमेंट में ऐसा बदलाव जो कंपनी के हित में नहीं है, कंपनी कानूनी या नियामकीय कार्रवाई के घेरे में आती है तो ऐसे निवेश से निकलने पर विचार करें।

#### सेक्टर का खराब प्रदर्शन

कभी-कभी, किसी शेयर के प्रदर्शन पर बाहरी फैक्टर हावी होते हैं। नीतियों में बदलाव, किसी खास सेक्टर का खराब प्रदर्शन और आर्थिक मंदी जैसे कारणों से शेयर पर असर पड़ सकता है। ऐसे में निकलने पर विचार करें।

#### बिना वजह ओवरवैल्युएशन

यदि कोई स्टॉक किसी वजह के अपने ऐतिहासिक औसत या समान कंपनियों से काफी ऊपर ट्रेड करता है तो भविष्य में करेक्शन आ सकता है। ऐसे में उससे बाहर निकलने या होल्डिंग कम करने पर विचार करना चाहिए।

#### डर या लालच में फैसला न करें

किसी शेयर में इसीलिए न बने रहें क्योंकि किसी परिचित या अन्य ने उसे होल्ड किया है। किसी शेयर को घाटे में भी इस उम्मीद में होल्ड करना कि कभी तो वह वापस उछलेगा, सही रणनीति नहीं है। किसी लालच या डर के बजाय फंडामेंटल पर ध्यान देना जरूरी है।

#### पोर्टफोलियो की नियमित समीक्षा करें

किसी शेयर से कब बाहर निकलना है, यह जानना आपके लॉन्ग टर्म के निवेश परिणामों में सुधार कर सकता है। अपने पोर्टफोलियो की नियमित समीक्षा करें। वास्तविक लक्ष्य तय करें। कंपनी और बाजार के घटनाक्रमों पर नजर रखें। ऐसा करके आप तर्कसंगत तरीके से किसी शेयर से बाहर निकलने का फैसला कर सकते हैं।

#### निवेश की गुणवत्ता

यदि आपको लगता है कि आपका निवेश अब उतना मजबूत नहीं है जितना पहले था, तो आपको अपने निवेश को पुनः मूल्यांकन करने की आवश्यकता हो सकती है। तभी आप अपने निवेश का ध्यान रख पाएंगे।

### यह भी रखें ध्यान

#### निवेश लक्ष्य

यदि आपके निवेश लक्ष्य बदल गए हैं या आपको लगता है कि आपका वर्तमान निवेश उन लक्ष्यों को पूरा नहीं कर रहा है, तो आपको अपने निवेश को पुनः मूल्यांकन करने की आवश्यकता हो सकती है।

#### जोखिम सहनशीलता

यदि आप अपने निवेश में अधिक जोखिम नहीं उठा सकते हैं या आपको लगता है कि आपका वर्तमान निवेश आपके जोखिम सहनशीलता से अधिक जोखिम भरा है, तो आपको अपने निवेश को समायोजित करने की आवश्यकता हो सकती है।

#### सहनशीलता

बाजार की स्थिति भी एक महत्वपूर्ण कारक है। यदि बाजार में बदलाव आया है और आपको लगता है कि आपका निवेश अब उतना आकर्षक नहीं है, तो आपको अपने निवेश को पुनः मूल्यांकन करने की आवश्यकता हो सकती है।

# बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच ब्लूचिप फंड में निवेश करना सबसे कम रिस्की

- **एक साल में दिया 16% तक रिटर्न और जोखिम भी न के बराबर**
- **लंबे समय तक एसआईपी के जरिए निवेश करना सबसे बेहतर**
- **ब्लूचिप फंड्स या लार्ज कैप फंड्स ने बेहतर रिटर्न दिया**

बिजनेस डेस्क

अगर आप शेयर बाजार में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन ज्यादा रिस्क नहीं लेना चाहते, तो ब्लूचिप फंड्स एक बेहतर विकल्प हो सकते हैं। एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में निवेश करके आप सुरक्षित और अच्छा रिटर्न पा सकते हैं। पिछले कुछ महीनों में शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव काफी देखने को मिला है। इस वजह से कई निवेशकों का पोर्टफोलियो नुकसान में चला गया। हालांकि इसी बीच म्यूचुअल फंड की ब्लूचिप फंड्स या लार्ज कैप फंड्स ने बेहतर रिटर्न दिया है। पिछले एक साल में लार्ज कैप ने 16% तक का रिटर्न दिया है। लंबे समय तक सिस्टमैटिक इन्वेसप्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश करके आप इस फंड में आप अच्छा रिटर्न बना सकते हैं। अंततः, ब्लूचिप फंड एक अच्छा निवेश विकल्प हो सकता है यदि आप लंबी अवधि के लिए निवेश करना चाहते हैं और कम जोखिम वाले निवेश विकल्प की तलाश में हैं। ब्लूचिप फंड्स को लार्ज कैप म्यूचुअल फंड्स भी कहा जाता है। ये ऐसे फंड होते हैं जो देश की टॉप 100 बड़ी कंपनियों में निवेश करते हैं। उदाहरण के तौर पर- एसबीआई ब्लूचिप फंड, आईसीआईसीआई प्रू ब्लूचिप फंड, एक्सिस ब्लूचिप फंड, कोटक ब्लूचिप फंड आदि। इन फंड्स को नियम के अनुसार अपनी 80% से ज्यादा राशि टॉप 100 कंपनियों में निवेश करनी होती है। बड़ी कंपनियों में निवेश होने के कारण इनमें रिस्क कम होता है और लॉन्ग टर्म में अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना ज्यादा होती है।

### निवेश से पहले ध्यान दें

1. फंड का पिछला प्रदर्शन देखें।
2. फंड मैनेजर का अनुभव और रिकॉर्ड देखें।
3. एक्सपेंस रेशियो (फीस) ज्यादा न हो।

### ब्लूचिप फंड के फायदे

1. स्थिरता और कम जोखिमः ब्लूचिप फंड आमतौर पर कम जोखिम वाले निवेश विकल्प माने जाते हैं।
2. लंबी अवधि में अच्छा रिटर्नः ब्लूचिप फंड लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न प्रदान कर सकते हैं।
3. पेशेवर प्रबंधनः ब्लूचिप फंड का प्रबंधन पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा किया जाता है।
4. बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेशः ब्लूचिप फंड बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं जो अपने उद्योग में अग्रणी होती हैं।
5. स्थिरता और कम जोखिमः ब्लूचिप फंड आमतौर पर कम जोखिम वाले निवेश विकल्प माने जाते हैं क्योंकि वे बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं।
6. लंबी अवधि के लिए उपयुक्तः ब्लूचिप फंड लंबी अवधि के लिए उपयुक्त होते हैं क्योंकि वे बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं।

### क्यों करें ब्लूचिप फंड में निवेश

- कम रिस्कः बड़ी और मजबूत कंपनियों में निवेश होता है, इसलिए बाजार की गिरावट का असर कम होता है।
- अच्छा रिटर्नः लंबे समय तक निवेश करने पर 12% से 16% तक सालाना रिटर्न मिल सकता है।-एसआईपी से निवेश आसानः हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा लगाकर लंबी अवधि में बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है।
- लिक्विडिटीः इसमें कोई लॉक-इन पीरियड नहीं होता, जरूरत पड़ने पर पैसा निकाला जा सकता है।

### किसके लिए सही है ये निवेश

- जो लोग कम रिस्क के साथ शेयर बाजार में निवेश करना चाहते हैं।
- जो 3 से 5 साल या उससे ज्यादा समय तक निवेश कर सकते हैं।
- नौकरीपेशा लोग, नए निवेशक और रिटायरमेंट प्लानिंग करने वाले लोग इसमें निवेश कर सकते हैं।

### उपयुक्त निवेशक

- लंबी अवधि के निवेशकः ब्लूचिप फंड लंबी अवधि के निवेशकों के लिए उपयुक्त होते हैं।
- कम जोखिम सहनशीलता वाले निवेशकः ब्लूचिप फंड कम जोखिम सहनशीलता वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त होते हैं।
- नियमित आय की तलाश में निवेशकः ब्लूचिप फंड नियमित आय की तलाश में निवेशकों के लिए उपयुक्त हो सकते हैं।

*डिस्क्लेमर : यहां मुख्य तौर पर शेयर बाजार की जानकारी दी गई है, निवेश की सलाह नहीं। इक्विटी मार्केट में जोखिम होता है, इसलिए निवेश अपने जोखिम पर करें। निवेश करने से पहले एक्सपर्ट की राय जरूर लें।*

# शेयर बाजार से कमाया है मुनाफा 1.25 लाख तक के एलटीसीजी पर आईटीआर फाइल करना आसान

अगर आप वेतनभोगी हैं, तो आपको आईटीआर फाइल करने से पहले फॉर्म 16 का इंतजार करना होगा। यह फॉर्म आपके एम्पालयर द्वारा जारी किया जाता है, जिसमें आपकी सैलरी और उस पर काटे गए टैक्स (टीडीएस) की जानकारी होती है।

कर की बात

बिजनेस डेस्क

वित्त वर्ष 2024-25 (आकलन वर्ष 2025-26) के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की प्रक्रिया में सरकार ने कुछ बड़े बदलाव किए हैं। खास तौर पर, अगर आपने शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड से 1.25 लाख रुपये तक का लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) कमाया है, तो आपके लिए रिटर्न फाइल करना अब पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। यह बदलाव छोटे निवेशकों और वेतनभोगी लोगों को ध्यान में रखकर किया गया है, ताकि उनकी टैक्स फाइलिंग प्रक्रिया सरल और कम जटिल हो। यहां हम समझेंगे कि ये नए नियम क्या हैं, ये कैसे काम करेंगे, और आपके लिए क्या फायदा होगा।

### एलटीसीजी-आईटीआर : पहले क्या थी दिक्कत

पहले अगर किसी व्यक्ति को शेयर या इक्विटी म्यूचुअल फंड की बिक्री से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन मिलता था, तो उसे आईटीआर-2 या आईटीआर-3 जैसे जटिल फॉर्म भरने पड़ते थे। ये फॉर्म छोटे निवेशकों या वेतनभोगी लोगों के लिए मुश्किल हो सकते थे, क्योंकि इनमें कई तरह की वित्तीय जानकारी देनी होती थी। उदाहरण के लिए, अगर आपने शेयर बेचकर 50,000 रुपये का एलटीसीजी कमाया, तब भी आपको आईटीआर-1 जैसे सरल फॉर्म का इस्तेमाल नहीं करना पड़ता था। इससे टैक्स फाइलिंग में समय और मेहनत दोनों ज्यादा लगती थी। लेकिन अब इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने इस समस्या को समझते हुए नियमों में बदलाव किया है। नए नियमों के तहत, अगर आपका एलटीसीजी 1.25 लाख रुपये तक है, तो आप आईटीआर -1 (सहज) या आईटीआर -4 (सुगम) जैसे आसान फॉर्म का इस्तेमाल कर सकते हैं।

### आईटीआर-1 और आईटीआर-4 में क्या बदला

- इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 फॉर्म को अपडेट किया है। इन फॉर्म्स को 29 अप्रैल 2025 को नोटिफाई किया गया था। अब इन फॉर्म्स में 1.25 लाख रुपये तक के एलटीसीजी को शामिल करने का विकल्प जोड़ा गया है। इसका मतलब है कि अगर आपने लिस्टेड शेयर या इक्विटी म्यूचुअल फंड बेचकर 1.25 लाख रुपये तक का मुनाफा कमाया है, तो आपको अब आईटीआर -2 जैसे जटिल फॉर्म की जरूरत नहीं होगी।
- आईटीआर-1, जिसे 'सहज' फॉर्म भी कहते हैं, उन लोगों के लिए है जिनकी कुल आय 50 लाख रुपये तक है और आय का स्रोत वेतन, एक मकान की संपत्ति, ब्याज, या 5,000 रुपये तक की कृषि आय है। अब इसमें एलटीसीजी को भी जोड़ा गया है, बशर्ते यह 1.25 लाख रुपये से ज्यादा न हो। इसी तरह, आईटीआर-4, जिसे 'सुगम' फॉर्म कहते हैं, छोटे व्यापारियों और प्रोफेशनल्स के लिए है जो अनुमानित कर व्यवस्था का इस्तेमाल करते हैं। इस फॉर्म में भी अब एलटीसीजी को शामिल करने की सुविधा दी गई है।

### छोटे निवेशकों को कैसे मिलेगी राहत?

ये बदलाव छोटे निवेशकों और वेतनभोगी लोगों के लिए बहुत फायदेमंद हैं। मान लीजिए, आप एक वेतनभोगी कर्मचारी हैं और आपने कुछ शेयर या म्यूचुअल फंड में निवेश किया था। अगर आपने इन्हें बेचकर 80,000 रुपये का एलटीसीजी कमाया, तो पहले आपको आईटीआर-2 भरना पड़ता था, जिसमें कई तरह की वित्तीय जानकारी देनी होती थी। लेकिन अब आप आईटीआर-1 का इस्तेमाल कर सकते हैं, जो बहुत सरल है और कम समय लेता है। यह बदलाव टैक्स फाइलिंग को छोटे निवेशकों के लिए कम बोझिल बनाता है। इससे लोग समय पर और सटीक तरीके से अपना रिटर्न दाखिल कर पाएंगे। खास बात यह है कि अगर आपका एलटीसीजी 1.25 लाख रुपये से कम है और आपके पास कोई कैपिटल लॉस सेट-ऑफ या कैरी फॉरवर्ड करने के लिए नहीं है, तो ये सरल फॉर्म आपके लिए पूरी तरह उपयुक्त हैं।

### किन लोगों को मिलेगा इस नियम का फायदा?

■ आपकी कुल सालाना आय 50 लाख रुपये से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। ■ आपका एलटीसीजी लिस्टेड शेयर, इक्विटी म्यूचुअल फंड, या बिजनेस ट्रस्ट की बिक्री से हुआ हो और यह 1.25 लाख रुपये तक हो। ■ आपके पास कोई कैपिटल लॉस नहीं हो, जिसे सेट-ऑफ या कैरी फॉरवर्ड करना हो। ■ हालांकि, कुछ लोग अब भी आईटीआर -1 या आईटीआर -4 का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। उदाहरण के लिए, अगर आप किसी कंपनी के डायरेक्टर हैं, अनलिस्टेड शेयरों में निवेश करते हैं, या आपके पास विदेश में संपत्ति है, तो आपको आईटीआर -2 या अन्य फॉर्म भरने होंगे।

### टैक्स की दर और छूट : क्या है नियम

लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन पर टैक्स की दर 12.5% है, लेकिन 1.25 लाख रुपये तक के एलटीसीजी पर कोई टैक्स नहीं लगता। इसका मतलब है कि अगर आपका एलटीसीजी इस सीमा के अंदर है, तो आपको इस पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। यह छूट इनकम टैक्स अधिनियम की धारा 112A के तहत दी जाती है। अगर आपका एलटीसीजी 1.25 लाख रुपये से ज्यादा है, तो अतिरिक्त राशि पर 12.5% टैक्स देना होगा।

### सैलरीड क्लास के लिए फॉर्म 16 का इंतजार

अगर आप वेतनभोगी हैं, तो आपको आईटीआर फाइल करने से पहले फॉर्म 16 का इंतजार करना होगा। यह फॉर्म आपके एम्पालयर द्वारा जारी किया जाता है, जिसमें आपकी सैलरी और उस पर काटे गए टैक्स (टीडीएस) की जानकारी होती है। इनकम टैक्स नियमों के मुताबिक, एम्पलायर्स को 15 जून 2025 तक फॉर्म 16 जारी करना जरूरी है। इसके बाद ही आप अपना रिटर्न फाइल कर सकते हैं।

बचत

बिजनेस डेस्क

# पोस्ट ऑफिस की कुछ योजनाएं दे रही हैं तगड़ा रिटर्न, वो भी गारंटी के साथ

■ बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच लोग बचत योजनाओं की ओर कर रहे रुख ■ ये सुरक्षित व स्थिर रिटर्न देने में पूरी तरह से सक्षम ■ डाक विभाग की छोटी बचत योजनाएं सुरक्षा ■ स्थिर रिटर्न व देश के दूरदराज इलाकों तक आसान पहुंच के कारण लोकप्रिय हुई ■ योजनाएं डाक विभाग द्वारा संचालित हैं जो संचार मंत्रालय के अधीन ■ इनमें सुरक्षा, टैक्स लाभ और अच्छे ब्याज दरों का मिश्रण

लगातार बढ़ती आर्थिक अस्थिरता और शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव में बीच भारत के लोग एक बार फिर पुराने और भरोसेमंद निवेश के तरीके की ओर रुख कर रहे हैं। यह पुराना और भरोसेमंद तरीका है पोस्ट ऑफिस में निवेश। भारत सरकार के डाक विभाग की छोटी बचत योजनाएं अपनी सुरक्षा, स्थिर रिटर्न और देश के दूरदराज इलाकों तक आसान पहुंच के कारण फिर से लोकप्रिय हो रही हैं। ये योजनाएं डाक विभाग द्वारा संचालित की जाती हैं, जो संचार मंत्रालय के अधीन है। इनमें सुरक्षा, टैक्स लाभ और अच्छे ब्याज दरों का शानदार मिश्रण है। आइए, जानते हैं पोस्ट ऑफिस की कुछ सबसे लोकप्रिय बचत और निवेश योजनाओं के बारे में।

### पोस्ट ऑफिस बचत खाता : आसान और सुरक्षित शुरुआत

पोस्ट ऑफिस का बचत खाता बैंकों की तरह ही एक कम जोखिम वाला और ब्याज देने वाला विकल्प है। इसमें सालाना 4 फीसदी ब्याज मिलता है। खाता खोलने के लिए कम से कम 500 रुपये की जरूरत होती है, और अधिकतम जमा की कोई सीमा नहीं है। यह खाता कोई भी व्यक्ति, दो लोग मिलकर (जॉइंट) या 10 साल से ज्यादा उम्र के नाबालिग भी खोल सकते हैं। इस खाते की ब्याज से होने वाली आय पर 10,000 रुपये तक की छूट टैक्स में मिलती है (सेक्शन 80टीटए के तहत)। अगर खाता तीन साल तक इस्तेमाल न हो तो यह निष्क्रिय हो जाता है, लेकिन इसे फिर से चालू किया जा सकता है। एक जरूरी बात—हर व्यक्ति केवल एक ही बचत खाता खोल सकता है।

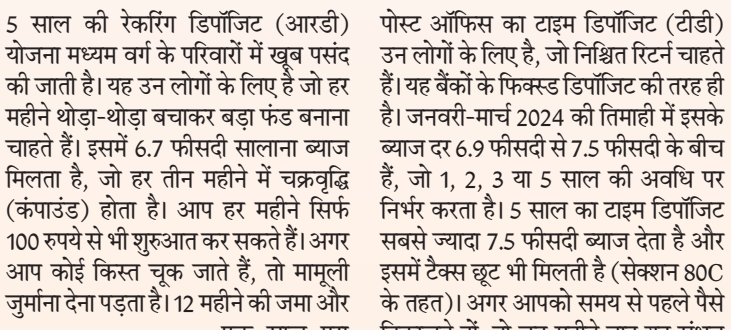


### आरडी : हर महीने बचत बड़ा फायदा

5 साल की रेकरिंग डिपॉजिट (आरडी) योजना मध्यम वर्ग के परिवारों में खूब पसंद की जाती है। यह उन लोगों के लिए है जो हर महीने थोड़ा-थोड़ा बचाकर बड़ा फंड बनाना चाहते हैं। इसमें 6.7 फीसदी सालाना ब्याज मिलता है, जो हर तीन महीने में चक्रवृद्धि (कंपाउंड) होता है। आप हर महीने सिर्फ 100 रुपये से भी शुरुआत कर सकते हैं। अगर आप कोई किस्त चूक जाते हैं, तो मामूली जुर्माना देना पड़ता है। 12 महीने की जमा और एक साल पूरा होने के बाद आप खाते में जमा राशि का 50 फीसदी तक लोन भी ले सकते हैं। अगर आपको समय से पहले खाता बंद करना हो, तो तीन साल बाद यह मुमकिन है, लेकिन ब्याज में कुछ कटौती होगी।

### टीडी : गारंटीड रिटर्न का भरोसा

पोस्ट ऑफिस का टाइम डिपॉजिट (टीडी) उन लोगों के लिए है, जो निश्चित रिटर्न चाहते हैं। यह बैंकों के फिक्स्ड डिपॉजिट की तरह ही है। जनवरी-मार्च 2024 की तिमाही में इसके ब्याज दर 6.9 फीसदी से 7.5 फीसदी के बीच हैं, जो 1, 2, 3 या 5 साल की अवधि पर निर्भर करता है। 5 साल का टाइम डिपॉजिट सबसे ज्यादा 7.5 फीसदी ब्याज देता है और इसमें टैक्स छूट भी मिलती है (सेक्शन 80C के तहत)। अगर आपको समय से पहले पैसे निकालने हों, तो छह महीने बाद यह संभव है, लेकिन ब्याज में कुछ कटौती होगी।

### एमआईएस : हर महीने निश्चित आय

रिटायरमेंट के बाद नियमित आय या कम जोखिम वाला निवेश चाहने वालों के लिए मंथली इनकम स्कीम (एमआईएस ) बेहतरीन है। इसमें 7.4 फीसदी सालाना ब्याज मिलता है, जो हर महीने आपके खाते में आता है। इसमें अकेले व्यक्ति 9 लाख रुपये तक और जॉइंट खाते में 15 लाख रुपये तक जमा कर सकते हैं। इसकी अवधि 5 साल की है। अगर आप समय से पहले पैसे निकालना चाहें, तो एक साल बाद 2 फीसदी और तीन साल बाद 1 फीसदी की कटौती के साथ ऐसा कर सकते हैं। ब्याज पर टैक्स लगता है, लेकिन हर महीने निश्चित आय इसे आकर्षक बनाती है।

### एसएसवाई: बेटियों का सुनहरा भविष्य

बेटियों की पढ़ाई और शादी के लिए बचत को प्रोत्साहन देने वाली सुकन्या समृद्धि योजना सबसे ज्यादा 8.2 फीसदी ब्याज देती है। 10 साल से कम उम्र की बेटी के लिए माता-पिता या अभिभावक यह खाता खोल सकते हैं। इसमें हर साल कम से कम 250 रुपये और ज्यादा से ज्यादा 1.5 लाख रुपये जमा किए जा सकते हैं। 15 साल तक जमा कर सकते हैं और खाता 21 साल बाद या बेटी की शादी (18 साल की उम्र के बाद) पर मैच्योर होता है। इस योजना में तीन तरह के टैक्स लाभ हैं—जमा राशि, ब्याज और मैच्योरिटी पर मिलने वाली राशि, तीनों पर टैक्स छूट मिलती है (सेक्शन 80सी के तहत)।

### पीपीएफ : लंबे समय के लिए बेहतर

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) लंबे समय के निवेशकों की पहली पसंद है। इसमें 7.1 फीसदी ब्याज मिलता है और यह पूरी तरह सरकार द्वारा समर्थित है। हर साल कम से कम 500 रुपये और ज्यादा से ज्यादा 1.5 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। इसकी अवधि 15 साल की है, जिसे 5-5 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है। इस दौरान लोन और आंशिक निकासी की सुविधा भी है। पीपीएफ की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ब्याज और मैच्योरिटी पर मिलने वाली पूरी राशि टैक्स-फ्री है। यह रिटायरमेंट और टैक्स प्लानिंग के लिए शानदार विकल्प है।

### सुरक्षा की बढ़ रही है चाहत

जहां म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार जैसे निवेश युवा और जोखिम लेने वालों को आकर्षित करते हैं, वहीं पोस्ट ऑफिस की बचत योजनाएं बुजुर्गों, ग्रामीण क्षेत्रों और रूढ़िगत निवेशकों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच हैं। जैसे-जैसे वित्तीय जागरूकता बढ़ रही है और डाक बैंकिंग की डिजिटल पहुंच सुधर रही है, ये योजनाएं अपनी पुरानी छवि को पीछे छोड़ रही हैं।

## खबर संक्षेप

### हथियार से गंभीर चोट मारने का आरोपी काबू

**सोनीपत।** सदर थाना सोनीपत पुलिस ने धारदार हथियार से गंभीर चोट मारने की वारदात में शामिल आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित सुरेंद्र उर्फ सुंदर निवासी ककरोई का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। गांव ककरोई निवासी नरेंद्र ने 13 मई को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि उसके चाचा के साथ कहासुनी चली आ रही है।

### धर्मशाला के बाहर से ई-रिक्शा चोरी, केस दर्ज

सोनीपत। शहर थाना क्षेत्र में धर्मशाला के बाहर से ई-रिक्शा के चोरी होने का मामला सामने आया है। शिकायकर्ता मोहित ने बताया कि वह अपनी ई-रिक्शा को लेकर जोगी धर्मशाला ओल्ड रोहतक रोड पर गया था। किसी ने उसकी ई-रिक्शा को वहां से चोरी कर लिया। जांच अधिकारी महेश कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

### घर के बाहर से खड़ी कार चोरी, मामला दर्ज

**सोनीपत।** सेक्टर-27 शहर थाना सोनीपत क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों से कार व दोपहिया वाहन के चोरी होने के आरोप का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। सेक्टर-15 निवासी विनीत सिन्हा ने बताया कि वह किसी काम से बाहर गया था। वापस लौटने पर कार को घर के बाहर खड़ा किया था। सुबह उठे तो कार वहां नहीं मिली।

### दो युवकों पर धारदार हथियार से हमला

**गोहाना।** गांव खानपुर कलां में कबूतरों की रेस में ईनाम को लेकर कहासुनी की रंजिश में दो युवकों पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। उनको पीजीआई रोहतक रेफर किया गया। सदर थाना में केस दर्ज किया गया। गांव कासंडी के सितेंद्र ने पुलिस को बताया कि गुरुवार शाम को खानपुर कलां गांव के अंकुश ने गांव की चौपाल में कबूतरों की रेस का मैच करवा रखा था। वह और मुंडलाना से उसकी बुआ का लडक़ा रवि भी कबूतरों को लेकर मैच लगाने आऐ थे।

### दो जुड़वां भाई संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

**खरखौदा।** वार्ड 10 से दो जुड़वा भाई संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। उनकी मां कविता ने बताया कि देवराज व देवमणि दोनों जुड़वां भाई हैं और दोनों ही अचानक से घर पर बगैर कुछ बताए लापता हो गए। वे अपने स्तर पर सभी जगह उनकी तलाश कर चुके हैं, लेकिन दोनों में से किसी का भी पता नहीं चल सका है।

### नहर में मिला अज्ञात का शव, शिनाख्त नही

**खरखौदा।** पुलिस को गांव रोहणा के पास रिलायंस एनसीआर वाटर चेनल में अज्ञात व्यक्ति का शव होने की सूचना मिली। खरखौदा पुलिस ने शव को बाहर निकाला। देखने से प्रतीत होता है कि मृतक व्यक्ति की उम्र 30 -35 साल होगी। जिसके एक हाथ पर घड़ी और काला धागा बंधा हुआ है, जिस पर सागर नाम लिखा हुआ है। अभी तक शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने शिनाख्त के लिए आस पास के गांव व पुलिस चौकी में सूचना दे दी हैं।

### आईटीआई में पढ़ने के लिए गया छात्र लापता

**गोहाना।** रोहतक रोड स्थित आइटीआई में पढ़ने के लिए आया छात्र लापता हो गया। शहर थाना में केस दर्ज किया गया। रोहतक में गांव रिठाल के मुकेश ने पुलिस को बताया कि मुंडेरी गांव का रिंकू उसके साले का लड़का है। वह लगभग पांच साल से उसके पास रह रहा है। रिंकू गुरुवार सुबह रोहतक रोड स्थित आइटीआई में पढ़ने के लिए आया था।

### दातौली में कई लोग भाजपा में शामिल

**गन्नौर।** दातौली गांव में भाजपा पूर्व प्रत्याशी देवेंद्र कौशिक के नेतृत्व में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में दातौली गांव के सरपंच लोकेश गोस्वामी ने पंचों सहित भाजपा का दामन थामा। गुमड़ गांव के सरपंच प्रतिनिधि रविंद्र पहल, नयाबांस के सोनू , मंजीत काला ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

## सैनिकों के सम्मान में निकाली तिरंगा यात्रा,बोले-कैबिनेट मंत्री

# सेना ने सटीक निशाने से पाक के आतंकी ठिकाने किए ध्वस्त

### *तिरंगा यात्रा में उमड़ा जनसैलाब देशभक्ति के नारों से गूंजा शहर*

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली और कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा की अगुवाई में निकाली यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। तिरंगे झंडों के साथ यात्रा में शामिल लोगों की भारी भीड़। *फोटो : हरिभूमि*

ऑपरेशन सिंदूर व सैनिकों के सम्मान में शनिवार को शहर में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में सडक़ों पर भारी जनसैलाब उमड़ा। लोगों ने हाथों में तिरंगे झंडे लेकर देशभक्ति के नारों से पूरा शहर गूंज उठा। यात्रा में लोगों में देशभक्ति का जज्बा देखने की बना। यात्रा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली और कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा की अगुवाई में निकाली गई।

तिरंगा यात्रा गोहाना में राजकीय महिला महाविद्यालय मोड़ से प्रारंभ हुई और शहर के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए हजारों लोगों की भीड़ ने विभिन्न महापुरुषों की प्रतिमाओं पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि हमारी सेना ने पाकिस्तान के अंदर घुसकर सटीक निशाने के साथ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। हमारी सेना के इस पराक्रम से पूरा पाकिस्तान थर्रा गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश बदल रहा है। आज हमारी सेना का जोश, जज्बा उच्च स्तर पर पहुंच चुका है। पहलगाम आतंकी हमले के बदले भारतीय सेना के पाकिस्तान को करारा सब सिखाया। प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा भारतीय रिहायशी इलाकों को निशाना बनाने की कोशिश की गई तो हमारे वीर जवानों ने पाकिस्तान के विभिन्न वायुसेना ठिकानों को ध्वस्त करते हुए पाकिस्तान को बड़े संकट में डाल दिया था। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि पाकिस्तान गोली चलाएगा तो भारत उसका जवाब गोले से देगा।

#### यात्रा में ये रहे शामिल

तिरंगा यात्रा में डॉ. किरण कलकल, यात्रा संयोजक प्रदीप सांगवान, डॉ. रीटा शर्मा, नप चेयरपर्सन रजनी विरमानी, भाजपा गोहाना जिलाध्यक्ष बिजेन्द्र मलिक, डॉ. धर्मबीर नांदल, तीर्थ राणा, जसबीर दोदवा, परमवीर सैनी, अरुण बड़ौक, बलराम कौशिक, नरेंद्र गहलावत, भूपेंद्र मुदगिल, प्रवीण खुराना, सुमित कक्कड़, डॉ. राममेहर राठी और एडवोकेट संतराम वाल्मीकि सहित भारी तादाद में भाजपा कार्यकर्ता शामिल रहे।

# कर्मियों के हितों को ध्यान में रख अहम कदम उठाने की आवश्यकता : कुलपति

- श्रम विभाग हरियाणा के सहयोग से विवि में औद्योगिक सुरक्षा और श्रम संहिताओं पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

कुलपति अशोक मुख्य वक्ता को स्मृति चिन्ह देते साथ में कुलसचिव प्रो .डॉ .आशुतोष मिश्रा।

डॉ. बीआर अंबेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, सोनीपत के श्रम अध्ययन केंद्र, तथा श्रम विभाग हरियाणा के सहयोग विश्वविद्यालय में औद्योगिक सुरक्षा और श्रम संहिताओं पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति अशोक कुमार की अध्यक्षता में किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रुप में डॉ. ओंकार शर्मा, भारत सरकार के सलाहकार, सह वक्ता के रुप में पवन कुमार, क्षेत्रीय संगठन सचिव, भारतीय मजदूर संघ उपस्थित हुएं। कुलपति अशोक कुमार ने आये अतिथियों को पुष्प देकर उनका स्वागत किया गया। कुलपति अशोक कुमार द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया गया। कुलपति अशोक कुमार ने कहां कि कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते अहम कदम उठाने की आवश्यकता है। सह वक्ता पवन कुमार, क्षेत्रीय संगठन सचिव, भारतीय मजदूर संघ ने कहा पहले हमें अपने देश के अंदर विभिन्न संगठनों एवं गैर संगठित संस्थानों में जो मजदूरी कर रहे है उनके जीवन शैली को बदलने की अति आवश्यकता है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो.(डॉ.)आशुतोष मिश्रा ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया।

उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के साथ मेयर एवं अन्य।

#### उत्कृष्ट सफलता पर सम्मानित किया

**सोनीपत।** ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी में शनिवार को समारोह का आयोजन कर सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं में अपना परचम लहराने वाले होनहार छात्र-छात्राओं को उनकी उत्कृष्ट सफलता के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मेयर राजीव जैन, विद्यालय संस्थापक एसके शर्मा, प्रबंधक नीरज शर्मा के साथ रीमा शर्मा एवं चंचल शर्मा उपस्थित रहीं। इस विशेष अवसर पर राजीव जैन, एसके शर्मा व नीरज शर्मा द्वारा दसवीं और बारहवीं कक्षा में बहुत अच्छे अंकों के साथ विद्यालय और सोनीपत का नाम रोशन करने वाले छात्र-छात्राओं को नगद पुरस्कार के साथ प्रशस्ति पत्र भी दिए गए। पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्रों में 12वीं कक्षा से महिमा, मृदुला, वीर, अनमोल, नैंसी, आशीष, 10वीं कक्षा से महिमा, धैर्य, आयुषी, मेहुल, लक्षिता, चिन्मय शामिल रहे।

### कुश्ती में सचिन ने जीता गोल्ड

खरखौदा। उपमंडल खरखौदा के गांव रिढ़ाऊ निवासी सचिन पहलवान ने ईरान में हुई विश्व स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर गांव व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। पहलवान सचिन ने 15 मई को हुई कुश्ती प्रतियोगिता के 86 कि.ग्रा भार वर्ग में गोल्ड जीता है। ज्ञात रहे कि सचिन पहलवान इन दिनों खरखौदा के अश्विनी अखाड़ा में अभ्यास कर रहे हैं।

### खरखौदा क्षेत्र में चलाया बीएस 4 अभियान

**खरखौदा।** पीपल्स पार्टी ऑफ़ इंडिया डेमोक्रेटिक के तत्वाधान में खरखौदा विधानसभा क्षेत्र में बीएस 4 अभियान के माध्यम से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें संविधान की उद्देशिका पर प्रकाश डाला गया। रोहतक प्रशिक्षण सचिव सुरेंद्र फौजी ने इतिहास पर प्रकाश डाला। रोहतक प्रभारी सत्यवान बलम, सोनीपत प्रभारी एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी राधे श्याम, संजीव खरखौदा मौजूद रहे। एडवोकेट विनोद कटारिया ने बताया 2003 में पार्टी की मदर विंग ने जाति जनगणना के मुद्दे को उठाया था, जिसे अब जाकर मौजूदा सरकार ने स्वीकार किया। इसके अलावा पिछले 5 साल से भारतीय संविधान को लेकर बी एस 4 अभियान चलाया जा रहा, जो देश भर में चर्चा बन गया है। इसका मतलब है भारतीय संविधान, सम्मान, सुरक्षा, संवर्धन अब 2025 में देश में सभी संस्थाओं के राष्ट्रीयकरण के मुद्दे को लेकर पार्टी काम कर रही है।

खरखौदा। अभियान से लोगों अवगत कराते पार्टी नेता।

### गांव टिकोला में पहुंची पुलिस टीम पर हमला

**सोनीपत।** मुरथल थाना क्षेत्र के गांव टिकौला में दो पक्षों के बीच विवाद सुलझाने गई पुलिस टीम के साथ एक पक्ष ने हाथापाई कर दी। हमलावरों ने पुलिस कर्मचारियों पर ईंटों से हमला कर घायल कर दिया। हालांकि मामले को लेकर पुलिस विभाग की तरफ से किसी प्रकार की शिकायत दर्ज नहीं हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव टिकौला निवासी राज सिंह और श्रीभगवान के बीच जमीनी विवाद चल रहा है। इस मामले में अदालत में भी केस लंबित है। जिसकी अगली सुनवाई जुलाई में होनी है। श्रीभगवान अपने 128 गज के प्लाट पर गेट लगा रहा था। जिस पर राज सिंह ने आपत्ति जताई। राज सिंह का दावा है कि उसकी 30 गज जमीन भी इसी प्लाट में शामिल है।

### जूने बनाने वाली फैक्ट्री में लगी आग

**गन्नौर।** बड़ी औद्योगिक क्षेत्र फेज-2 स्थित बर्तन साफ करने के जूने बनाने वाली 410 नंबर फैक्ट्री में शनिवार दोपहर अचानक आग लग गई। फैक्ट्री के अंदर मौजूद कर्मचारियों और मजदूरों को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाला गया। देखते ही देखते आग की लपटें इतनी तेजी से फैल गईं कि आसमान में धुएं का गुबार छा गया। आग की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया। दमकल की गाड़ियां पहुंचीं, लेकिन कई घंटों की मशक्कत के बाद भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका। स्थिति को काबू में करने के लिए फैक्ट्री के सामने के शीशे तोड़कर आग बुझाने का प्रयास किया गया। करीब पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। बड़ी औद्योगिक क्षेत्र फेज 2 में ए-वन फाइबर फैक्ट्री में बर्तन साफ करने के फोम और जाल के जूने बनाए जाते हैं।

### पदोन्नति पर जताई खुशी

**सोनीपत।** रोडवेज कर्मचारी यूनियन हरियाणा रजिस्ट्रेशन नंबर संबंधित हरियाणा कर्मचारी महासंघ ने प्रदेश सरकार ने 145 परिचालक को परिचालक से उप निरीक्षक के पद पर 28 चालकों को चालक से यार्ड मास्टर की प्रमोशन की है। इसको लेकर कर्मचारी बस परिसर में इकट्ठा हुए। जहां उन्होंने सरकार का धन्यवाद किया। पदोन्नति हुए सभी उप निरीक्षक व यार्ड मास्टर को प्रमोशन की हार्दिक बधाई देते डिपो प्रधान मंजीत ने बताया कि सोनीपत डिपो गोहाना सब डिपो से लगभग 10 साथियों का प्रमोशन हुआ है। समस्त कार्यकारणी ने इकट्ठा होकर साथियों को बधाई दी। सोनीपत डिपो में यूनियन के सक्रिय कार्यकर्ता साथी विकास साथी अनिल को उप निरीक्षक बनने पर व सोनीपत डिपो के वरिष्ठ प्रधान राज्य कार्यकारिणी में उप प्रधान रामपत को चालक से यार्ड मास्टर बनने की खुशी में लड्डू बाटकर प्रमोशन की खुशी मनाते बधाई दी।

सोनीपत। परिसर में इकट्ठा हुए कर्मचारी। *फोटो :हरिभूमि*

सोनीपत। सफाई अभियान के तहत मेयर राजीव जैन साथ में अन्य।

### हर शनिवार को होगी सघन सफाई

**सोनीपत।** शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए मुख्य बाजारों में हर शनिवार सफाई अभियान की शुरुआत की गई हैं। इस अभियान में बाजारों में दीवार से दीवार तक मिटटी, रोड़ा, घास पौधे एवं अन्य गंदगी को साफ किया जायेगा। अभियान की शुरुआत नगर निगम मेयर राजीव जैन एवं आयुक्त हर्षित कुमार ने बस अड्डे के पास देवीलाल चौक एवं बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर चौक की सफाई के साथ की। शनिवार को लहराड़ा स्थित दादा मोहनदास मन्दिर से मिशन चौक, आईटीआई चौक से मामा भांजा चौक तथा बस अड्डे के पास अम्बेडकर चौक से ट्रक यूनियन तक सफाई अभियान चलाया गया। राजीव जैन ने कहा कि रूटीन में सड़कों की मोटी मोटी सफाई हो जाती हैं परन्तु सड़कें स्वच्छ दिखाई दें इसके लिए सघन सफाई अभियान की आवश्यकता हैं।

टीकाराम शिक्षा महाविद्यालय में कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के साथ प्राचार्य एवं अन्य।

#### विदाई समारोह का आयोजन

**सोनीपत।** टीकाराम शिक्षा महाविद्यालय में बीएड प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के द्वारा बीएड द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र सिंह राणा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया। विदाई समारोह में बीएड द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए फैशन परेड, नृत्य, गायन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बीएड प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। बीएड द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए पिछले दो वर्षों के सुनहरे यादगार पलों को फोटो एवं वीडियो द्वारा प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. इंदु राठी ने बताया कि बीएड द्वितीय वर्ष की रुचिका देशवाल को मिस फेयरवेल, सुशांत को मिस्टर फेयरवेल एवं साक्षी को मिस ब्यूटी और ललित को मिस्टर हैंडसम चुना गया।

# तेज रफ्तार स्कार्पियो चालक ने कार को मारी टक्कर, चार घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

स्कार्पियो की टक्कर से क्षतिग्रस्त सेंट्रो कार व मौके पर उमड़ी राहगीरों की भीड़ ।

सोनीपत-गन्नौर रोड पर तेज रफ्तार स्कार्पियो की टक्कर से कार सवार चार युवक घायल हो गए। हादसा गांव राजलू गढ़ी रोड पर बाला सैयद के पास हुआ। घायलों में हर्ष निवासी भोगीपुर, नीशू, रितेश और भारत शामिल हैं। हर्ष ने थाना बड़ी में शिकायत दे कर बताया कि वह मानेसर स्थित मारुति कंपनी में इलेक्ट्रिशियन के रूप में अप्रेंटिस कर रहा है। 16 मई को कंपनी से छुट्टी के बाद बस से तूफान ढाबा तक आया और वहां से अपनी कार से गांव लौट रहा था। रास्ते में उसके तीन दोस्त भी साथ हो गए। करीब 6 बजे गन्नौर की ओर से तेज गति से आती एक काली स्कार्पियो ने उनकी कार को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर के बाद स्कार्पियो चालक मौके से फरार हो गया, जबकि घायलों को राहगीरों ने गन्नौर और सोनीपत के अस्पतालों में भर्ती कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर स्कार्पियो चालक की तलाश शुरू कर दी है।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान छात्रा के साथ प्राचार्य एवं अन्य। *फोटो :हरिभूमि*

#### संस्कार समारोह का आयोजन

सोनीपत। गेटवे इंटरनेशनल स्कूल, सोनीपत में शनिवार को छात्र कैबिनेट के लिए चयनित छात्रों का संस्कार समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्कूल के विभिन्न पदों के लिए चयनित छात्रों को सम्मानित किया गया और उन्हें उनके नए दायित्वों के लिए तैयार किया गया। स्कूल हेड बॉय नैतिक चहल, स्कूल हेड गर्ल संस्कृति, डिसिप्लिन परफेक्ट प्रभजोत और नव्या, स्पोर्ट्स परफेक्ट वंश और श्लोक, सीसीए परफेक्ट राधा और श्रेहान, एडिटोरियल परफेक्ट इंशा शर्मा, पब्लिक स्पीकिंग परफेक्ट अदिति सहित स्कूल के चारों सदनों वायु सदन, वसुधा सदन, वरुण सदन तथा व्योम सदन की बाल कैबिनेट के चयनित छात्रों का संस्कार किया गया। इसके अलावा मिडल विंग से जूनियर कैबिनेट के चयनित छात्रों का भी संस्कार किया गया।

## विधायक ने जनसमस्याओं के समाधान के लिए दिए निर्देश

# राई विस में डेढ़ करोड़ से होंगे विकास कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

विधायक कृष्णा गहलावत जनता दरबार में ग्रामीणों की समस्या सुनते हुए।

राई हलका विधायक एवं पूर्व मंत्री कृष्णा गहलावत ने बताय कि डी-प्लान के अंतर्गत राई विधानसभा क्षेत्र में डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक राशि के विकास कार्य करवाये जायेंगे, जिसकी स्वीकृति मिल चुकी है। साथ में उन्होंने अपने कैंप कार्यालय में जनता दरबार लगाकर जनसमस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी दिए। विधायक ने बताया कि डी-प्लान के तहत करीब एक करोड़ बासठ लाख उन्नचास हजार रुपये के विकास कार्य स्वीकृत करवाये गये हैं। कुंडली नगरपालिका के अंतर्गत वार्ड-11 में सीटू के मकान से संदीप जोशी के मकान तक गली निर्माण, सोनू के मकान से कुंती के मकान तक गली निर्माण और सुखबीर के मकान से जगदीश के मकान तक गली का निर्माण करवाया जाएगा। विधायक ने बताया कि इनके अलावा मुरथल खंड के अंतर्गत टोंकी जाजल में नई चौपाल का निर्माण, टांडा में मेन फिरनी से सुरेश के घर तक रास्ते का निर्माण, ताजपुर में खेल स्टेडियम के अधूरे निर्माण को पूर्ण करवाने, खेवड़ा में कुश्ती अखाड़े में टिन शेड का निर्माण, पलड़ा में अंबेडकर पार्क का निर्माण और झुंडपुर में एससी वाल्मीकि चौपाल का पुर्ननिर्माण कार्य करवाया जाएगा। इसके साथ-साथ राई खंड के तहत प्रीतमपुरा में सरदार के घर से नारायण के घर तक रास्ते का निर्माण, खटकड़ में सरकारी विद्यालय में दो कमरों का निर्माण, दहिसरा में बीसी चौपाल का निर्माण, बहालगढ़ में एससी वाल्मीकि चौपाल का पुर्ननिर्माण, सेरसा में लाईब्रेरी का निर्माण,मनोली में राजबीर चौहान की दुकान के से दिनेश पंडित के घर तक रास्ते का निर्माण तथा बिंदरौली में चौपाल का निर्माण और बढ़खालसा में वाल्मीकि चौपाल का निर्माण करवाया जाएगा। ग्रामीणों ने विधायक कृष्णा गहलावत के कैंप कार्यालय में पहुंचकर आभार जताया। इस मौके पर शीलू मेहंदीपुर, अमरजीत, तपराज जैनपुर, रमेश सरपंच, अनिल आंतिल, प्रदीप आंतिल, विष्णुर, प्रवीण, विपिन मनोली, छोटू पतला, कृष्ण मुरथल, कालू दीपालपुर, जीता दीपालपुर आदि शामिल रहे।

सोनीपत। ऋषिकुल विद्यापीठ में कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के साथ अतिथिगण।

#### विद्यार्थियों को किया सम्मानित

**सोनीपत।** ऋषिकुल विद्यापीठ में छात्र परिषद शपथ समारोह का आयोजन गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के चेयरमैन एसके शर्मा व सीएनडीपी सिस्टर स्कूल इटली के अध्यापक व छात्रों की टीम के स्वागत तथा एक्सचेंज कार्यक्रम की अध्यक्षा अर्चना शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलित करके की गई। तत्पश्चात छात्र-छात्राओं ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। इसके पश्चात नवगठित टीम को सेश पहनाकर व बैज लगाकर सम्मानित किया गया। पूर्व हैड गर्ल यति द्वारा सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई गई। हैड गर्ल रिया (मिडिल विंग) व हैड गर्ल राहिनी (प्राइमरी विंग) ने अपने भाषण में पढ़ाई से संबंधित योजनाओं को सांझा किया। वहीं पर हैड बॉय भव्य (मिडिल विंग) व हैड बॉय निपुण (प्राइमरी विंग) ने अपने भाषण में एकेडमिक प्लान के बारे में बताया। इसके अतिरिक्त चारों सदनों द्रोण, व्यास, शंकर व पतंजलि के चयनित कैप्टन, वाइस कैप्टन आदि को सेश पहनाकर व बैज लगाकर सम्मानित किया गया।

गुरु गोरखनाथ प्रकट दिवस पर राज्यस्तरीय कार्यक्रम में सीएम होंगे शामिल

# 100 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन आज

## रोहतक रोड स्थित नई अनाज मंडी में होगा आयोजन, तैयारियां पूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

सोनीपत। कार्यक्रम को लेकर तैयार किया गया पंडाल। फोटो : हरिभूमि

जिले में 100 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन किया जाएगा। जिसमें खरखौदा, गोहाना, गन्नौर, मुंडलाना और शामड़ी में पेयजल संबंधी कार्य शामिल हैं। इनमें से मुंडलाना और शामड़ी की पेयजल संबंधी परियोजना पूर्ण हो चुकी है, जिसका उद्घाटन किया जाना है। वहीं अन्य परियोजनाओं का शिलान्यास होना है। इन परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को सोनीपत पहुंचकर करेंगे। गुरु गोरखनाथ प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में 18 मई को रोहतक रोड स्थित नई अनाज मंडी में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। इस आयोजन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम स्थल को आकर्षक रूप से सजाया गया है, साथ ही आगंतुकों के बैठने, पेयजल व पार्किंग आदि की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। गर्मी को ध्यान में रखते हुए पंडाल में कूलर लगाए गए हैं और पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। मुख्य मंच के दोनों ओर बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाई गई हैं, ताकि कार्यक्रम में दूर बैठे लोग भी सहज रूप से इसका अवलोकन कर सकें। आगंतुकों की सुविधा के लिए विभिन्न स्थानों से बसों की व्यवस्था की गई है, वहीं वाहनों के लिए उपयुक्त पार्किंग क्षेत्र निर्धारित किया गया है। रूट मार्गों पर संकेतक (साइन बोर्ड) भी लगाए गए हैं। कार्यक्रम स्थल पर अग्निशमन वाहनों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई है।

### मुख्यमंत्री करेंगे शिलान्यास व उद्घाटन

- खरखौदा शहर में लगभग 26.46 करोड़ रुपये की लागत से पेयजल परियोजना
- गोहाना शहर में लगभग 15.86 करोड़ रुपये की लागत से पेयजल योजना
- गन्नौर शहर में लगभग 42.50 करोड़ रुपये की लागत से पेयजल संबंधी कार्य
- मुण्डलाना व शामड़ी गांवों में जेएलएन नहर से पेयजल आपूर्ति हेतु 19.22 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण कार्यों का उद्घाटन

रोनक।

तुषार।

## डीबीएम के 30 विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में स्थान बनाया

**गोहाना।** शिक्षा बोर्ड हरियाणा के अंतर्गत कक्षा 10वीं की बोर्ड की परीक्षा में गांव मदीना में गोहाना-महम मार्ग स्थित डीबीएम पब्लिक स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। परीक्षा में 30 विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया। स्कूल के एमडी विकास मलिक ने मेधावी विद्यार्थियों को अपना आशीर्वाद देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। परीक्षा में छात्र रोनक खासा पुत्र सुनील ने 472 अंक लेकर स्कूल को टॉप किया। तुषार पुत्र जय भगवान ने 467 अंक लेकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। रौनक व तुषार ने शारीरिक शिक्षा में 100 में से 100 अंक, रौनक व दीक्षिका ने सामाजिक विज्ञान 100 में से 99 अंक हासिल किए। परीक्षा में मेधावी विद्यार्थियों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन को लेकर स्कूल में खुशी का माहौल है। एमडी विकास मलिक ने विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत व लक्ष्य के साथ आगे बढने के लिए प्रेरित किया। स्कूल की प्राचार्या पूजा राणा, आनंद मलिक, दीपक शर्मा, जतिन, पूनम श्योराण, संदीप हुड्डा व पवन ने विद्यार्थियों को अपना आशीर्वाद दिया।

- 10वीं में 472 अंक लेकर रोनक खासा बने स्कूल टॉपर

# मेधावी विद्यार्थी ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित

- सीबीएसई कक्षा 10वीं व कक्षा 12वीं की परीक्षाओं में शेर सिंह पब्लिक स्कूल के टॉपर्स को किया सम्मानित
- 12वीं की परीक्षा में शबनम पुत्री सतपाल ने 97 प्रतिशत अंक लेकर स्कूल में प्रथम रही

हरिभूमि न्यूज ⏭गोहाना

गोहाना। समारोह में सम्मानित विद्यार्थी अपने गुरुजनों के साथ।

शहर में सोनीपत मार्ग स्थित शेर सिंह पब्लिक स्कूल में शनिवार को मेधावी सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं की परीक्षा में टॉपर्स विद्यार्थियों को ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया। मार्गदर्शन स्कूल के चेयरमैन महेंद्र सिंह मलिक का रहा। अध्यक्षता प्राचार्य कुलदीप देशवाल ने की। सीबीएसई कक्षा 10वीं की परीक्षा में प्राची पुत्री जय भगवान ने 94.2 प्रतिशत अंक लेकर स्कूल में प्रथम, मीनाक्षी पुत्री धनराज ने 89 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय और कीर्ति पुत्री ने 85 प्रतिशत अंक लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया था। कक्षा 12वीं की परीक्षा में शबनम पुत्री सतपाल ने 97 प्रतिशत अंक लेकर स्कूल में प्रथम, हिमांशी पुत्री सत्यप्रकाश ने 96 प्रतिशत अंक लेकर द्वितीय और लोकेश पुत्री श्रीकृष्ण ने 95 प्रतिशत अंक लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया था। नैंसी पुत्री चंद्रप्रकाश कॉमर्स संकाय में 94 प्रतिशत अंकों के साथ स्कूल टॉपर रही। चेयरमैन महेंद्र मलिक ने इन सभी विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को सम्मानित किया। सम्मानित शिक्षकों में सुमित, जगमोहन, रितु देवी, कुसुमलता, दीपिका और प्रीति राणा शामिल रहे।

## संस्कार भारती विद्यापीठके छात्र ने 98 प्रतिशत अंक लेकर स्कूल का नाम किया रोशन

प्रधानाचार्य समय सिंह व शिक्षक स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त छात्र दीपांशु व अन्य का सम्मान करते हुए।

**गन्नौर।** कामी गांव स्थित संस्कार भारती विद्यापीठ स्कूल का हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा घोषित दसवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा है। जानकारी देते हुए स्कूल के प्रधानाचार्य समय सिंह ने बताया कि स्कूल के 28 छात्रों ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा पास की। स्कूल के छात्र दीपांशु ने 500 में से 491 अंक 98 प्रतिशत अंक लेकर स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। छात्रा चाहत ने 500 में से 485 लेकर द्वितीय, तन्या ने 474 अंक लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य समय सिंह ने बताया कि दो छात्रों ने 95 प्रतिशत, 7 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक, 10 छात्रों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए।

- दो छात्रों ने 95 प्रतिशत, 7 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक, 10 छात्रों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक लिए

## वंडर मेरीटोरियस स्कूल ऑफ इंटेलिजेंस के विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ⏭राई

उपज की विविधता से परिचित कराना था। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्वेता शर्मा ने बच्चों की रचनात्मकता की सराहना की। विद्यालय की प्रबंधक नीलम कटारिया ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होती हैं। इस मौके पर काफी संख्या में अभिभावक मौजूद थे।

ओमेक्स सिटी के एफ ब्लाक में स्थित वंडर मेरीटोरियस स्कूल ऑफ इंटेलिजेंस के विद्यार्थियों द्वार फल और वेजिटेबल्स शो में रचनात्मकता की झलक दिखाई। प्रदर्शनी में छात्रों ने विभिन्न फलों और सब्जियों की सुंदर झांकियां प्रस्तुत कीं, जिनमें उनकी पौष्टिकता, उपयोग और लाभ के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में अभिभावकों एवं शिक्षकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को स्वस्थ भोजन के प्रति जागरूक करना और उन्हें प्राकृतिक

- छात्रों ने विभिन्न फलों और सब्जियों की सुंदर झाँकियाँ प्रस्तुत की

## हन्नी मार्डन स्कूल का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत

राई। बहालगढ़ स्थित हन्नी मार्डन स्कूल का भिवानी बोर्ड द्वारा घोषित दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। स्कूल के निदेशक सतनारायण आंतिल ने बताया कि स्कूल के छात्र अंकित ने 500 में से 467, 93.4 प्रतिशत अंक लेकर स्कूल में प्रथम, छात्रा आकांक्षा ने 500 में से 466 अंक, 93.2 प्रतिशत अंक लेकर द्वितीय, छात्र अक्षय ने 500 में से 463, 92.6 प्रतिशत अंक लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्कूल के निदेशक सतनारायण ने बताया कि स्कूल के अन्य सभी छात्रों ने मैरिट ली है। निदेशक ने इस सफलता का श्रेय स्कूल के शिक्षकों को दिया।

गोहाना। खुशी मनाते हुए विद्यार्थी।

## 25 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक हासिल किए

**गोहाना।** हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की कक्षा 10वीं की परीक्षा में जवाहरलाल नेहरु वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थी दक्ष पुत्र बिजेंद्र ने 97 प्रतिशत अंक लेकर विद्यालय के टॉपर बने। जयंत कुमारी पुत्री संदेश कुमार ने 96.8 प्रतिशत अंक लेकर दूसरा जबकि दीक्षा पुत्री नवीन और शिवम पुत्र प्रदीप ने 95.4 प्रतिशत अंकों के साथ संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य डॉ. सचिन शर्मा के अनुसार परीक्षा में दक्ष, जयंत कुमारी, दीक्षा, तमन्ना और कशिश ने गणित अंग्रेजी, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, और शारीरिक शिक्षा विषय में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए। दक्ष, जयंत, दीक्षा, तमन्ना, शिवम, कशिश, कुष्मिता, दिव्य, अनिकेत, साहिल, प्राची, दीक्षा, हर्षित, छवि, सपना, खुशी, कीर्ति, वंश, नितिन, हिमांशी, कीर्ति, देव, तपस्या, खुशबू और यश ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक लिए। 24 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक लिए। प्रबंधक कृष्णा शर्मा, एमडी सुनील शर्मा, यशपाल शर्मा, सुशील मलिक और उप प्राचार्य सूरत शर्मा मौजूद रहे।

- कक्षा 10वीं की परीक्षा में 97 प्रतिशत अंक लेकर दक्ष रहे स्कूल में अव्वल


Jankidas Kapur Public School
A School with A Difference
Affiliated to C.B.S.E.
SECTOR-14, SONIPAT-131001 II Ph. No. 0130-2200118 II Facebook Page: www.facebook.com/Jdkps.edu.in
website: www.jdkps.edu.in II Email: principal_jdkps@rediffmail.com, jdkps.edu.in@gmail.com
Congratulations!
JDKPS Gems of Class X (2024-2025)
Average Score of Class X - 87.1% (162 Students)
District Toppers with 99%
MUDIT JAIN
S.Sc, Sanskrit & PAT (100)
English (98)
PRAGYAN SANAN
Maths, Sanskrit & PAT (100)
Science (99)
ARINDAM (98.4%) NAITIK CH. (98.4%) NIHARIKA (98.2%) SHAURYA (98%) AYUSHMAAN B. (97.8%)
SHREYANS (97.6%) MEDHANSH (97.4%) MOKSHITA (97.4%) AKSHARA (97.2%) CHAITANYA (97.2%) SUNAINA (97.2%)
STUDENTS WHO HAVE SCORED BETWEEN 95%~97%
S.N. | STUDENT'S NAME | %AGE | S.N. | STUDENT'S NAME | %AGE
1 HUNAR 97 | 17 ARPITA 95.8
2 PRIYANSHI TYAGI 97 | 18 HARSHITA THAKUR 95.8
3 AADITYA KUMAR 96.8 | 19 KUBER KINDRA 95.8
4 NIMISH GROVER 96.8 | 20 YANNA 95.8
5 VEER CHANDNA 96.8 | 21 JAYESH JAIN 95.8
6 HIMANSHU 96.4 | 22 TEJAS TEHLAN 95.8
7 SHRESATAV CHHIKARA 96.4 | 23 YUGAM AGGARWAL 95.8
8 UMANGPREET KAUR 96.4 | 24 PRANAY CHANDNA 95.6
9 NISHANT DAHIYA 96.4 | 25 PALAK 95.4
10 AAYUSH ANTIL 96.2 | 26 ADITI DAHIYA 95.4
11 KHUSHI PALIWAL 96.2 | 27 ARNAV CHHOKAR 95.4
12 PEARL THAKUR 96.2 | 28 YUJVENDER SINGH 95.4
13 FALAK PRUTHI 96.2 | 29 AVIK GOEL 95.4
14 ANGEL MALIK 96.2 | 30 HITEN DHAMIJA 95.2
15 SARA ARORA 96.2 | 31 DAKSH SARDANA 95
16 CHHAVI RANA 95.8 | 32 SMRIDDHI TANEJA 95
SUBJECT–WISE TOPPERS
1 SKT 100 11 MUDIT JAIN, MEDHANSH LUTHRA, PEARL THAKUR, ARPITA, NIMISH GROVER, ARINDAM, MOKSHITA, RATHORE, HUNAR, JAYESH JAIN, PRAGYAN SANAN, SHAURYA KAUSHIK
2 MATHS 100 9 PRAGYAN SANAN, SHAURYA KAUSHIK, ARINDAM, FALAK PRUTHI, SHREYANS SHARMA, PRANAY, CHANDNA, PRIYANSHI TYAGI, TEJAS TEHLAN, ANGEL MALIK
3 SOCIAL SCIENCE 100 1 MUDIT JAIN
4 AI (417) 100 3 NIHARIKA, RAHUL CHAUDHARY, HIMANSHU
5 MUSIC (034) 100 3 JAYESH JAIN, SARA ARORA, DIVISHA
6 PAT (418) 100 8 PRAGYAN SANAN, MUDIT JAIN, ANGEL, PARTH BAJAJ, ARINDAM, SMRIDHHI TANEJA, GARIMA, SUNAINA
7 IT (402) 100 1 UMANGPREET
8 SCIENCE 99 2 PRAGYAN SANAN, ARINDAM
9 ENGLISH 99 2 KUBER KINDRA, AABHAS RANA
10 HINDI 98 1 YANNA
RESULT WITH A DIFFERENCE
• 45/162 Students Attained 95% and Above
• Overall 87/162 Students Attained 89.6% Above
Congratulations!
JDKPS Gems of Class XII (2024-2025)
Average Score of Class XII - 85.1% (77 Students)
3rd District Topper (Humanities) RIDDHIMA 98% (Hum.)
2nd District Topper (Commerce) SHREYA HOODA 97.8% (Com.)
3rd District Topper (Commerce) AVIKA 97.4% (Com.) MEHAK 97.4% (Com.) PRACHI 97.4% (Com.)
ARIN 96% (Hum.) PRISHA 95.8% (Com.) YASHIKA 95.8% (Com.) ANANYA 95.4% (Hum.)
MANYA 95.2% (Com.) ANANYA 95% (Com.) CHAYAN 94.8% (Sci.)
SUBJECT–WISE TOPPERS
1 ECONOMICS 100 SHREYA HOODA
2 PAINTING 100 RIDDHIMA, AVIKA MADAN, SAKSHI MANASVI, YASHIKA
3 YOGA 100 PRACHI ISSAR
4 MARKETING 100 RIDDHIMA
5 BUSINESS STUDIES 99 MANYA SHARMA, PRISHA JAYASWAL, MEHAK GOEL
6 ENGLISH 99 RIDDHIMA
7 ACCOUNTANCY 98 PRACHI ISSAR
8 MATHS 98 CHAYAN LEEKHA
9 PSYCHOLOGY 98 YASHIKA, RIDDHIMA
10 GEOGRAPHY 98 MAKASVI
11 POLITICALSC. 97 PAYAL RAJPUROHIT
12 CHEMISTRY 95 CHAYAN LEEKHA , AADIT DUREJA
13 MUSIC 95 ANANYA
14 HISTORY 94 ANANYA BHARDWAJ
15 INFORMATICS PRACT. 94 FALAK PARASHAR
16 LEGAL STUDIES 94 PAYAL RAJPUROHIT
17 SOCIOLOGY 93 RIDDHIMA, ARIN
18 PHYSICS 92 AADIT DUREJA
19 PHE 91 LAKSHAY SACHDEVA , AKSHIT LUTERA
OVERALL BOARD RESULT
MARKS RANGE | CLASS X: NUMBER OF STUDENTS/162 | %age OF TOTAL STUDENTS | CLASS XII: NUMBER OF STUDENTS/77 | %age OF TOTAL STUDENTS
ABOVE 95% 45 27.77% 11 14.28
BETWEEN 90-94.8% 40 24.69% 15 19.48
BETWEEN 80-89.8% 37 22.83% 33 42.85
BETWEEN 70-79.8% 29 17.9% 15 19.48
BETWEEN 60-69.8% 9 5.5% 3 3.89
School Management Congratulates dear Students, Supporting Parents and Dedicated Staff Members for the Astounding Success !!!
Best Wishes for your future endeavours !!!
Dr. Geetanjali Grover (Principal)
ADMISSION OPEN FOR CLASS XI



INDIAN MODERN SR. SEC. SCHOOL
A Progressive Co-Educational School (Affiliated to CBSE, New Delhi)
GOHANA ROAD BY PASS, SONEPAT 9254142143, 9306816136
Upholding an unbroken streak of 100% results
Celebrating Excellence!
Congratulations to our brilliant Students, dedicated teachers & supportive parents for outstanding results of Grade 10th & 12th (2024-25)
Academic achievers of class – 10th
FIRST SANA - 97.8%
SECOND LAVANYA - 95.6%
THIRD SUJAL - 94%
Aditya 93.8% Akshra 93.6% Vaishnavi 92.6% Jatin 91.2% Vansh 91.2% Devank 90.4% Shrishty 89.4%
Loveneet 89% Samiksha 88.8% Abhijeet 88.2% Ritik 88% Suren 87.8% Nishant 87.4% Anjali 87%
Kartik 87% Khushi 85% Avni 84.8% Sunny 84.8% Tejas 84.8% Mohit 84.4% Jatin 83.8%
Shorya 83.6% Kartik 83.4% Nikhil 83.2% Shruti 83% Kanav 82.6% Rahul 82.4% Raksith 82.2%
Dipanshi 82% Nidhi 82% Harshita 81.4% Vansh 80.6% Nikita 80.2%
ADMISSION OPEN 2025-26 (For XI Class)
Academic achievers of class – 12th
FIRST TANYA - 96.2%
SECOND DEEPIKA - 94.4%
THIRD ANSHU - 94.2%
Ashika 94% Inder Parkash 92.8% Riya 92.4% Aaditya 92.4% Lakshay 90.4% Neeshu 89% Anjali 88.6%
Chelcy 88.4% Akshit 88.4% Nishant 88.2% Anuj 87.6% Ronit 86.4% Tanish 86.4% Sakshi 86%
Himanshi 85% Vanshika 84.4% Prikshit 84.4% Ritu 84% Varsha 83.6% Ansh 83% Tanisha 82.6%
Anushka 82.6% Yashvi 82.4% Pooja 80.8% Nancy 80.6% Pargat Singh 80.6%
उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 18 मई 2025


कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

कुछ समय पहले वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने डिजिटल डिवाइसेस की लत को दुनिया भर में एक चिंताजनक समस्या बताया है। हर उम्र के लोग इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं। इससे न केवल उनकी शारीरिक-मानसिक सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है, लोग अनिद्रा के भी शिकार हो रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम इस लत की गंभीरता को समझें और इससे बचने के लिए हर संभव प्रयास करें।

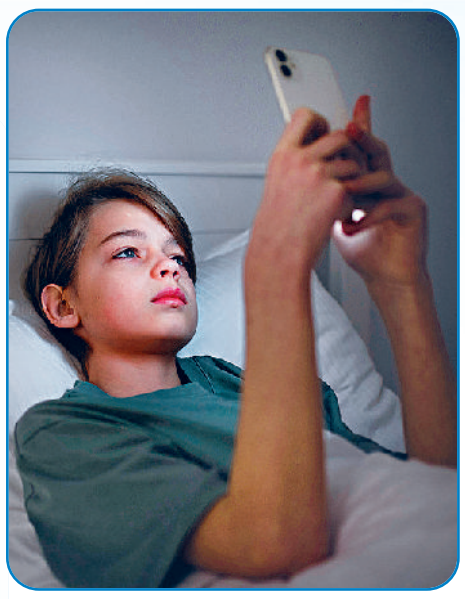

# डिजिटल डिवाइसेस की लत
# उड़ रही नींद-बिगड़ रही सेहत

हाल में फ्रंटियर्स इन साइकिएट्री जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार बिस्तर पर जाने के बाद एक घंटे तक स्क्रीन देखते हुए बिताने से अनिद्रा के लक्षण 59 प्रतिशत तक बढ़ जाने की संभावना होती है। स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट के साथ समय बिताने से नींद का टाइम पीरियड भी 24 मिनट कम हो सकता है। अध्ययन में यह भी सामने आया है कि चाहे सोशल मीडिया पर समय बिताएं, रील्स देखें या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर किसी तरह का कंटेंट देखा जाए, सोने से पहले स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी में बिताया जाने वाला समय ही मायने रखता है। माध्यम कोई भी हो, स्क्रीन टाइम अब लोगों की नींद को डिस्टर्ब करने वाली बड़ी वजह बन रहा है।

### नींद पर पड़ रहा बुरा असर

रात के समय लोगों का स्क्रीन टाइम बढ़ने की कई वजहे हैं। इनमें से एक वजह यह है कि दिन भर घर-दफ्तर की भाग-दौड़ के बाद रात को आराम का समय मिलने पर अधिकतर लोग स्क्रीन में ही झांकते रहते हैं। मेल, मैसेज या दूसरी जानकारियां देखने के साथ ही रात को सोने से पहले बहुत सा समय सोशल मीडिया स्क्रॉलिंग, रील्स और अलग-अलग तरह का कंटेंट देखने में भी लोग यूज करते हैं। स्मार्टफोन, लैपटॉप और टैबलेट जैसे डिजिटल डिवाइस अब बेडरूम में भी यूज किए जाते हैं। जिसके चलते कमोबेश हर उम्र के लोगों के सोने के समय का कुछ हिस्सा स्मार्ट डिवाइसेस के नाम हो गया है। हालिया अध्ययन कहता है कि स्क्रीन टाइम जितना ज्यादा होता है, नींद उतनी ही ज्यादा प्रभावित होती है।

### दूरी बनाना है जरूरी

उक्त शोध के अध्ययनकर्ताओं और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सोने से कम से कम एक घंटे पहले मोबाइल या अन्य किसी डिजिटल उपकरण का इस्तेमाल न करने की सलाह दी है। असल में अच्छी नींद के लिए मन-मस्तिष्क का शांत रहना आवश्यक है। सोने से पहले देखा गया कंटेंट कई बार मानसिक उद्वेलन का भी कारण बनता है। इतना ही नहीं स्क्रीन स्क्रॉलिंग के कारण हुई आंखों और दिमाग की थकान भी ठीक से नींद आने में बाधा बनती है। समझना जरूरी है कि नींद चुराने वाली यह जीवनशैली सोने-जागने का पूरा पैटर्न ही बिगाड़ रही है। यही वजह है कि नॉर्वे के वैज्ञानिकों द्वारा 45,202 वयस्कों पर किए गए सर्वे के नतीजों को गंभीरता से लेना जरूरी है। बिस्तर पर जाने के बाद मोबाइल के यूज से अनिद्रा के जोखिम यानी इनसोमनिया से बचने के लिए स्क्रीन से दूरी बनाने के नियम बनाना और गंभीरता से उनका पालन करना बेहद जरूरी है।

### हेल्थ भी होती है प्रभावित

स्मार्ट स्क्रीन की ब्लू लाइट से नींद की गुणवत्ता तो खराब होती ही है, दिनचर्या भी बिगड़ जाती है। ठीक से आराम न मिल पाने के कारण डेली रूटीन ही नहीं, दिलो-दिमाग भी अस्त-व्यस्त रहते हैं। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के हर पहलू पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। हर दिन सोने के समय में होने वाली यह अनचाही कटौती बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन जाती है। ये कंडीशंस हार्ट प्रॉब्लम्स, डायबिटीज, मोटापा, डिप्रेशन और उच्च रक्तचाप जैसी कई परेशानियों को बढ़ाती हैं। थका हुआ शरीर और उलझा सा मन जीवन से जुड़ी दूसरी जिम्मेदारियों के निर्वहन में भी बाधा बनता है। गैजेट्स की लत लग जाने के बाद स्क्रीन से दूरी मन में हताशा, असमंजस और बेचैनी भर देती है। वहीं नींद की कमी से बनी इस मनःस्थिति से या तो बार-बार कुछ खाते रहने की आदत लग जाती है या भूख कम हो जाती है।

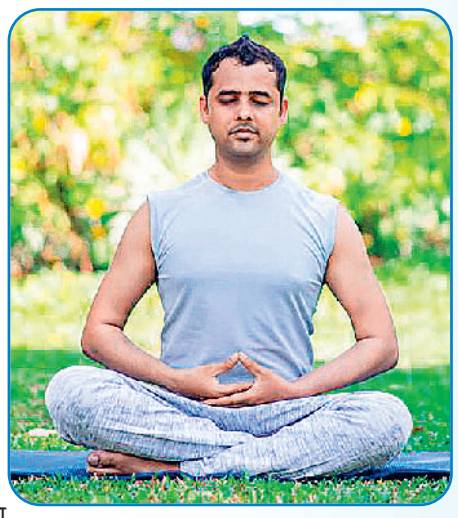

किशोरों और युवाओं में तो नींद की कमी हार्मोन असंतुलन की बड़ी वजह बनती है, जिससे कम उम्र में ही ओबेसिटी की संभावना बढ़ जाती है। सही ढंग से आराम न मिलने और सुकून की नींद लेने के समय भी स्क्रीन पर कंटेंट देखते रहने से याददाश्त भी कमजोर होती है। किसी भी काम में फोकस करने की क्षमता घटती है। उलझे-बिखरे से रूटीन में क्रोध, स्ट्रेस और अजीबो-गरीब ढंग से मूड का बदलना परेशानियों को बढ़ाता जाता है। ध्यान रहे कि सोने के समय की अवधि और गहरी नींद शरीर के लिए स्वयं अपनी संभाल-देखभाल करने का समय होता है। हमारी बॉडी खुद को रिपेयर करती है। अगले दिन की भाग-दौड़ के लिए मन-मस्तिष्क और शरीर तैयार होते हैं। सुकून से और सही समय तक सोना हमारी इम्यूनिटी को बढ़ाता है। ऐसे में अपनी सेहत बचाने और दिनचर्या साधने के लिए सोते समय स्मार्ट गैजेट्स से दूरी बना लेना ही सही है। अगले दिन की स्फूर्ति भरी शुरुआत के लिए सोने के पहले का टाइम अपनों से संवाद, किताब पढ़ने या मेडिटेशन में लगाएं। दिन में भी जब समय मिले स्मार्टफोन और लैपटॉप में बिजी रहने के बजाय योगाभ्यास करना फायदेमंद होता है।

### डब्ल्यूएचओ ने किया आगाह

डब्ल्यूएचओ ने भी डिजिटल एडिक्शन से पूरी दुनिया के लोगों को आगाह किया है, क्योंकि हद से ज्यादा ऑनलाइन एक्टिविटीज और इंटरनेट का उपयोग दिन में टाइम मैनेजमेंट, ऊर्जा को सही दिशा देने और फोकस्ड रहने में असमर्थता और रात में नींद का पैटर्न बिगाड़ने या इनसोमनिया पैदा करने का कारण बनता है। ऐसे में जरूरी है कि डिजिटल होती जीवनशैली में तकनीक से मिली सुविधाएं अनुशासित होकर इस्तेमाल की जाएं। मनोरंजन, सूचनाएं, शिक्षा, काम-काज या सोशल मीडिया मंचों पर मौजूदगी, हर मामले में स्क्रीन की दुनिया से जुड़ते हुए संतुलन साधा जाए। तकनीक से घिरी आज की जिंदगी में कम से कम अपने बेडरूम को स्क्रीन-फ्री जोन जरूर बनाएं। याद रहे कि अपने लिए यह सीमा हमें खुद ही तय करनी है। *

### खुद करें हैबिट कंट्रोल

**आवश्यकता से** अधिक इस्तेमाल की गई कोई भी चीज नुकसानदेह ही होती है। तकनीक के मामले में भी यह बात लागू होती है। वर्चुअल व्यस्तता के इस दौर में स्क्रीन स्क्रॉलिंग को हैबिट बना लेने, डिजिटल डिवाइसेस पर हद से ज्यादा निर्भर हो जाने के कई खामियाजे भुगतने पड़ते हैं। खासतौर पर नींद की कमी की वजह से मेंटल और फिजिकल हेल्थ को बहुत नुकसान होता है। इस हैबिट की वजह से हर उम्र के लोगों में शारीरिक व्याधियां और मनोवैज्ञानिक समस्याएं देखने को मिल रही हैं। वयस्क लोग तमाम व्याधियों के शिकार हो रहे हैं तो बच्चे भी ऑनलाइन गेम्स के जाल में फंस रहे हैं। उम्र के हर पड़ाव पर अनिद्रा और बेचैनी लोगों के मन-मस्तिष्क को घेर रही है। यूके के फीलगुड कॉन्टैक्ट के आंकड़ों के मुताबिक भारत में स्क्रीन टाइम की बढ़ोतरी और नजर की कमजोरी में भी गहरा संबंध देखा जा रहा है। आंखों की रोशनी कम होने और नजर खराब होने की शिकायत के मामले में भारत दुनिया की सूची में सबसे पहले स्थान पर है। करीब 27.5 करोड़ भारतीय यानी हमारी आबादी का करीब 23 प्रतिशत, बहुत ज्यादा स्क्रीन टाइम की वजह से नजर की कमजोरी से जूझ रहा है।

## सोशल मीडिया पर बढ़ रही
# प्रोफाइल लॉकिंग की टेंडेंसी

कुछ समय पहले तक सोशल मीडिया को ओपेन ग्लोबल डिजिटल प्लेटफॉर्म माना जाता था। लेकिन अब अनेक वजहों से लोगों में अपनी प्रोफाइल लॉक करने का ट्रेंड बढ़ रहा है। इस ट्रेंड के बढ़ने की क्या वजहें हैं? इस सोशल मीडिया ट्रेंड पर एक नजर।

टेक्नोट्रेंड
नरेंद्र शर्मा

आजकल सोशल मीडिया में अपनी प्रोफाइल लॉक करने का ट्रेंड बढ़ रहा है। पहले आमतौर पर महिलाएं ही अपनी प्रोफाइल लॉक करके रखती थीं, लेकिन अब बहुत तेजी से यह प्रवृत्ति पुरुषों में भी बढ़ी है। सवाल है, एक ओपेन प्लेटफॉर्म के तौर पर जिस सोशल मीडिया का आगाज हुआ था, अचानक बीते एक-दो सालों में ऐसा क्या हुआ है कि जिसे देखो वही अपनी प्रोफाइल लॉक किए दे रहा है? सोशल मीडिया में प्राइवेसी को लेकर इस कदर सजगता बढ़ने की वजह क्या है? क्या यह कोई साइकोलॉजिकल सिंड्रोम है या कोई नई पैदा हुई ऐसी इमोशनल इनसिक्योरिटी है, जो अबके पहले इस स्तर पर नहीं थी?

**वजहें हैं कई:** अगर इस ट्रेंड पर गहराई से सोचें तो यह बिना किसी मकसद के घट रही घटना नहीं है बल्कि इसके पीछे कई किस्म के सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और डिजिटल सुरक्षा से जुड़े कारण जिम्मेदार हैं। भले इसे साइकोलॉजिकल सिंड्रोम कहना सही न हो, लेकिन इस प्रवृत्ति में भावनात्मक असुरक्षा, प्राइवेसी की बढ़ती चिंता जैसी कई बातें शामिल हैं। इनके अलावा साइबर क्राइम, फेक प्रोफाइल और डेटा चोरी से जुड़ी चिंताएं भी हैं। आजकल डीपफेक और फोटो मॉर्फिंग जैसे मामलों में भी तेजी से वृद्धि देखी जा रही है। अनजान लोगों द्वारा प्रोफाइल तस्वीरों का गलत इस्तेमाल, डिजिटल स्टॉकिंग और साइबरबुलिंग का भी डर है। ये सब ऐसे कारण हैं, जिसकी वजह से कई लोग सोशल मीडिया पर अब अपनी निजी जिंदगी को ज्यादा एक्सपोज करने से बच रहे हैं। इनके प्रोफाइल लॉक करने से ये संकेत मिलते हैं कि वे केवल करीबी लोगों के बीच ही सीमित रहना चाहते हैं।

**लोग चाहते हैं डिजिटल डिटॉक्स:** लोगों में बढ़ते इस ट्रेंड की एक वजह डिजिटल डिटॉक्स और मानसिक शांति की चाहत भी है। ऐसे लोग अपनी ओपेन प्रोफाइल रखकर बार-बार लाइक्स, कमेंट्स और स्टोरीज के रिएक्शन पर ध्यान देने की बजाय अपनी डिजिटल मौजूदगी को सीमित कर रहे हैं। कुछ लोगों के मुताबिक इसकी एक वजह सोशल मीडिया का बदलता पैटर्न भी है। पहले लोग खुली प्रोफाइल रखते थे, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग उनकी पोस्ट देखें। लेकिन अब ट्रेंड बदल गया है और 'एक्सक्लूसिविटी' बढ़ रही है। लोग अब यह दर्शाना चाहते हैं कि वे हर किसी के लिए उपलब्ध नहीं हैं। इससे एक अलग तरह की सोशल स्टेटस सिग्नलिंग होती है कि 'मैं केवल अपने करीबी लोगों के लिए हूं।'

**डिजिटल प्राइवेसी को लेकर बढ़ी एलर्टनेस:** मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक इस प्रवृत्ति में एक किस्म की 'फियर ऑफ मिसिंग आउट' साइकोलाजी भी छिपी है। जब लोग देखते हैं कि उनके ज्यादातर दोस्त या जानने वाले अपनी प्रोफाइल लॉक कर रहे हैं, तो वे भी ऐसा करने लगते हैं। यह एक तरह की 'डिजिटल हर्ड मेंटेलिटी' है। लोगों को लगता है कि अगर वे अपनी प्रोफाइल ओपेन रखेंगे तो वे अलग नजर आएंगे या उनकी डिजिटल सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। यह एक साइको सिंड्रोम से कहीं ज्यादा सामाजिक प्रवृत्ति और डिजिटल सुरक्षा की बढ़ती जागरूकता का संकेत है। हालांकि इसमें भावनात्मक असुरक्षा और सोशल मीडिया की बदली हुई डायनामिक्स का भी बड़ा योगदान है। यह दर्शाता है कि लोग अब अपनी डिजिटल प्राइवेसी और ऑनलाइन पहचान को लेकर ज्यादा सतर्क हो रहे हैं। कह सकते हैं कि यह एक सोशल ट्रेंड और डिजिटल सिक्योरिटी की बढ़ती एलर्टनेस का संकेत है। साथ ही यह भी दर्शाता है कि लोग अब अपनी डिजिटल प्राइवेसी और ऑनलाइन पहचान को लेकर कहीं ज्यादा एलर्ट हो रहे हैं।

**मॉनिटरिंग-ट्रैकिंग भी है जिम्मेदार:** सोशल मीडिया पर प्रोफाइल लॉक करने के पीछे विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा सोशल मीडिया पर की जाने वाली मॉनिटरिंग और ट्रैकिंग का भी असर है। सोशल मीडिया पर 'संदिग्ध' या 'एंटी-नेशनल' कंटेंट पोस्ट करने वालों को ट्रैक किया जाता है, इसके कारण भी लोगों को बहुत डर लगने लगा है कि अगर किसी ने उनके एकाउंट को हैक कर मिसयूज किया तो वे फंस सकते हैं। इस कारण आम लोग भी अब बहुत सतर्क हो गए हैं और अपनी प्रोफाइल लॉक करके रखना सही समझते हैं। कई लोग 'डिजिटल लिंचिंग' से बचने के लिए अपनी प्रोफाइल लॉक कर देते हैं ताकि कोई उनके पुराने पोस्ट न खोज सके। कुछ बैंकिंग और वित्तीय कारण भी हैं, क्योंकि आधार, बैंक अकाउंट, सरकारी सब्सिडी आदि से जुड़ी जानकारी लीक होने का डर तेजी से बढ़ रहा है।

**उभर रहा डिजिटल अंडरग्राउंड:** इस बढ़ते ट्रेंड की वजह से लगता है, जैसे धीरे-धीरे सोशल मीडिया, ओपन से क्लोज्ड स्पेस की ओर बढ़ रहा है। ज्यादा से ज्यादा लोग प्राइवेट ग्रुप्स, टेलीग्राम चैनल्स और एनक्रिप्टेड चैट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। लॉक प्रोफाइल एक नए डिजिटल अंडरग्राउंड की तरह उभर रही है। डिजिटल अंडरग्राउंड यानी, एक ऐसी ऑनलाइन दुनिया, जो मुख्यधारा के खुले इंटरनेट से कटकर निजी, हिडेन और प्रोटेक्टेड प्लेटफॉर्म्स पर शिफ्ट हो रही है। *

गजल
अब्दुल कलाम

## ...जो होना था

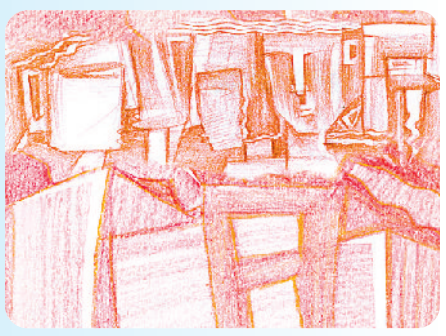

लाख चाहा मगर हुआ वही जो होना था
अपनी तकदीर में लिखा फकत रोना था
किसी को हासिल थे तख्त व ताज यहां
कहीं फुटपाथ पर अखबार ही बिछौना था
सुनकर ही कलेजा मुंह को आ गया
मंजर आतंक का कुछ इस कदर घिनौना था
तब कहीं जाकर दुआ कबूल होती
अपना दामन हमें आसुओं से भिगोना था
बरसात में टपकती हुई छत के नीचे
नहीं महफूज घर में कोई कोना था
उन्हें सुविधा मिली और वे ही नामवर हुए
जिनको इस जहां में नफरत की फसल बोना था

कहानी / सुधा रानी तैलंग

# चौकीदार अम्मा

एक बिल्डर के यहां चौकीदारी करने वाली बूढ़ी अम्मा का एक बेटा तो था, लेकिन वह उनसे अलग रहता था। हालांकि कहने को अम्मा जी की देख-भाल करने वाले बहुत से अपने लोग थे, लेकिन सच यही था, वह एक पीड़ा के साथ अपनी जिंदगी जी रही थीं। एक मर्मस्पर्शी कहानी।

ठिगना कद, घुंघराले बाल, गेहुंआ रंग, चश्मे से झांकती हुई अनुभवी आंखें, लांगदार किनारे वाली साड़ी, पैरों में मर्दाना जूते और हाथ में बड़े डायल की पुरानी घड़ी, चौकीदार अम्मा की यही पहचान थी। उनका नाम तो शायद किसी को भी पता नहीं था, लेकिन पूरी कॉलोनी में वह चौकीदार अम्मा के नाम से ही पहचानी जाती थीं।

छत्रसाल कॉलोनी में एक बिल्डर के यहां अम्मा चौकीदारी का काम बरसों से कर रही थीं। बिल्डर के जितने भी प्रोजेक्ट होते थे, उन सबकी जिम्मेदारी वह एक बुजुर्ग महिला होने के बाद भी पूरी कर्मठता से निभा रही थीं। पैंसठ साल की उम्र में भी अम्मा में गजब की फुर्ती और आवाज में रौब था। उनकी एक ही आवाज से मजदूरों के रुके हुए हाथ काम करना शुरू कर देते थे। लेकिन मजदूर उनकी बहुत इज्जत भी करते थे। कितना सीमेंट, पत्थर, चूना, ईंटें में खर्च हो रहा है, इसका हिसाब मुंह जुबानी बता देती थीं। अम्मा कभी स्कूल नहीं गई थीं, लेकिन हिसाब-किताब में वह पढ़े-लिखे लोगों को भी मात कर देती थीं। अम्मा के कहने को तो एक बेटा था, वह अच्छी नौकरी में था, किंतु शादी के बाद वह अलग रहने लगा। एक ही घर में बहू-बेटे से अलग रहना स्वाभिमानी अम्मा को गवारा नहीं हुआ, वह अपना घर छोड़ कर चुपचाप चली आईं। अम्मा बताया करती हैं कि उनके पति प्राइवेट नौकरी में थे। अचानक ही एक रोड एक्सीडेंट में उनकी मौत हो गई। बेटा अमर जब तक स्कूल में पढ़ता रहा। उन्होंने घरों में काम-काज करके बेटे को पढ़ाया-लिखाया। बेटे की नौकरी लगने के बाद उसकी शादी भी कर दी, यही सोचकर कि अब उनके सुख के दिन आएंगे। लेकिन कुछ ही दिनों बाद बहू ने उनसे स्पष्ट शब्दों में ही कह दिया कि वह उनके साथ एडजस्ट नहीं कर पाएंगी। बेटे की खुशी के लिए उन्होंने अपना ही घर-बार छोड़ दिया और एक बिल्डर के यहां काम करने लगीं। अपनी ईमानदारी और मेहनत के बल पर अम्मा चौकीदारी के साथ दूसरे और कई काम भी संभालती थीं। बिल्डर को उन पर बहुत विश्वास था।

कॉलोनी के कोने के एक खाली प्लॉट में अम्मा का टीन शेड वाला एक कमरा था, उसमें एक मूंज की बुनी हुई खाट, प्लास्टिक की कुर्सी, छोटा-सा एक बर्नर वाला गैस का चूल्हा, कुछ बर्तन, रस्सी में टंगे कपड़े ओर एक छोटा-सा ट्रांजिस्टर ही अम्मा की पूंजी थी। ट्रांजिस्टर से उनको बहुत लगाव था। सुबह छह बजे से उसमें चिंतन, भजन, हनुमान चालीसा के अलावा बुंदेलखंडी लोकगीतों को सुनते हुए आठ बजे तक उनकी काम में जाने की तैयारी हो जाती। दिन भर बिल्डर के यहां काम करने के बाद शाम को जब काम खत्म हो जाता, अम्मा अपने कमरे में आकर खाना बनातीं और खाना खाकर सामने के पार्क में जाकर बैठ जातीं।

अम्मा के वहां पहुंचते ही बच्चों की भीड़ उनको घेर लेती। अम्मा उन्हें कभी परियों की कहानी सुनातीं तो कभी भक्त प्रह्लाद, ध्रुव, राम, कृष्ण, बाल गणेश की कथाएं सुनातीं तो कभी झांसी की रानी, दुर्गावती, भगत सिंह, गांधी, सुभाष, की जीवन गाथा सुनातीं। कई बार बच्चों को भी ताज्जुब होता था कि लोग तो कहते हैं कि अम्मा पढ़ी-लिखी नहीं हैं फिर भी इनको इतना ज्ञान कैसे है? अम्मा कॉलोनी के बच्चों की बेस्ट फ्रेंड की तरह थीं।

उनकी एक ही आवाज में बच्चे इकट्ठे हो जाते थे। कई बार तो कॉलोनी की औरतें अम्मा से कहतीं, 'अम्मा जी, आपने पता नहीं क्या जादू कर रखा है बच्चों पर, ये हमारा तो कहना ही नहीं मानते और आपकी हर बात खुशी-खुशी मानते हैं। कुछ महिलाएं तो अम्मा से अपने बच्चों की शिकायत करतीं, 'अम्मा आपका लाडला जब देखों तब पिज्जा, बर्गर, मोमोज ही खाने की जिद करता है, अब आप ही इसे समझाइए।' फिर अम्मा बड़े प्यार से बच्चों को समझातीं, 'देखो बच्चो, तुम पिज्जा, बर्गर और मोमो खाओगे तो कैसे स्वस्थ रहोगे। तुम्हें तो हरी सब्जी, फल, दूध और घर का ही बना खाना चाहिए। पौष्टिक खाना खाओ, खूब खेलो और खूब पढ़ो। अपनी अम्मा की बात मानोगे तो मजे से रहोगे।' ये सुनते ही बच्चे समवेत स्वर में बोलते, 'जरूर मानेंगे।'

अगर एक दिन भी अम्मा रात को पार्क में नहीं पहुंचतीं तो बच्चे उनको बुलाने उनके कमरे में पहुंच जाते। किसी दिन अम्मा जरा भी बीमार हो जातीं तो कोई बच्चा उनके लिए दवाई, तो कोई चाय, दूध और खाना लेकर पहुंच जाता। बच्चों का इतना प्यार देख कर अम्मा की आंखों में भी आंसू आ जाते। उन्हें अपने बेटे की याद आ जाती। एक दिन पता चला कि बिल्डर के प्रोजेक्ट का काम पूरा होने वाला है। कॉलोनी में सभी को चिंता थी कि काम पूरा होते ही बिल्डर के दूसरे प्रोजेक्ट की साइट पर अम्मा भी यहां से चली जाएंगी।

अम्मा के बिना तो कॉलोनी ही सूनी हो जाएगी। उनके बच्चों को जो संस्कार, प्यार, अपनापन मिल रहा है, वो अम्मा के जाने के बाद कहां मिल पाएगा।

गर्मियों के दिन थे। सुबह का वक्त था। अचानक ही चक्कर खाकर चौकीदार अम्मा बिल्डिंग की सीढ़ियों से गिर गईं। बिल्डर ने तुरंत उनको हॉस्पिटल पंहुचाया। अम्मा के हाथ में फ्रेक्चर था। बिल्डर के साथ-साथ कॉलोनी के सभी बच्चों के परिवार वालों ने भी उनके इलाज में कोई कमी नहीं रखी। जब तक अम्मा आईसीयू में रहीं, तब तक कॉलोनी के सारे बच्चे शिव मंदिर में भगवान से उनके ठीक होने की मन्नत मानते रहे। अम्मा के ठीक होने पर बच्चों की टोली अम्मा से मिलने हॉस्पिटल पहुंच गई। नींद में उनके मुंह से कई बार अमर शब्द सुनकर डॉक्टर ने पूछा, 'यह अमर कौन है?'

किसी ने बताया कि उनका बेटा है। डॉक्टर ने एक बार उन्हें बुलाने को कहा। कॉलोनी के बच्चों ने बिल्डर से पूछ कर अम्मा के बेटे अमर का पता लगाया। वे उसके पास गए। उन्होंने अम्मा के हॉस्पिटल में एडमिट होने के बारे में बताया, उससे रिक्वेस्ट की, वह अम्मा के पास चलें। छोटे-छोटे बच्चों के आग्रह ने असर दिखाया। अमर सोचने लगा कि छोटे-छोटे पराए बच्चों को भी कुछ ही समय में मां ने प्यार से अपना बना लिया है। एक वह है, बाबूजी के जाने के बाद मां ने मेहनत, मजदूरी करके उसे पढ़ाया-लिखाया, अपने पैरों पर खड़ा किया। अपनी शादी की, शादी के बाद वह स्वार्थ में इतना अंधा हो गया कि अपने फर्ज को भूल गया। अपनी गलती पर अमर मन ही मन में बहुत शर्मिंदा था।

अमर की पत्नी ने अमर से कहा, 'देर मत करो। अम्मा जी के पास चलो।' अमर पत्नी और अपने बेटे बंटी के साथ हॉस्पिटल गया। अम्मा ने जब उनको देखा तो वह खुशी से रो पड़ीं। बेटे, बहू ने अम्मा से माफी मांगी। अम्मा ने उनको गले लगा लिया। बेटे के साथ अपने पोते बंटी को देखते ही उनकी आधी बीमारी तो ठीक हो गई। हॉस्पिटल से छुट्टी मिलते ही अमर अम्मा को अपने साथ ले गया। सबकी आंखों में आंसू थे।

जो काम बरसों तक अम्मा खुद नहीं कर पाईं, वो छोटे-छोटे बच्चों ने कर दिखाया। कॉलोनी से जाते वक्त अम्मा के हाथ में ढेर सारे गिफ्ट थे, जो बच्चों ने मिलकर अपनी प्यारी अम्मा को दिए थे। जाते-जाते बच्चों ने अम्मा से रिटर्न गिफ्ट में एक प्रॉमिस लिया कि वह हर रविवार को उनसे मिलने जरूर आएंगी। अम्मा के चले जाने के बाद कॉलोनी सूनी वीरान-सी हो गई, लेकिन वो बच्चों से मिलने रविवार के दिन पार्क में आतीं। तब पूरी कॉलोनी अम्मा की कहानियों के बोल के साथ, बच्चों के ठहाकों से गूंज उठती थी। *

### कैनकुन अंडरवाटर म्यूजियम मैक्सिको

कैनकुन (मैक्सिको) के आस-पास समुद्र तल में वर्ष 2009 में तैयार किए गए इस म्यूजियम 'म्यूसियो सबकोटिको दे आटे' यानी मूसा नाम से भी जाना जाता है। इसके पीछे कलाकार जेसन डिक्लेयर टेलर की सोच है। उन्होंने यहां प्रदर्शित 500 मूर्तियों को आर्टिफिशियल रीफ की मदद से बनाया है। यह न सिर्फ देखने में अद्भुत हैं, बल्कि समुद्री जीवन के लिए एक नया इकोसिस्टम भी बनाती हैं। इन मूर्तियों ने समुद्र तल को एक अद्भुत दृश्य में बदल दिया है, जिसे देखने पर ऐसा लगता है मानो मनुष्य और प्रकृति आपस में घनिष्ठता से जुड़े हों। यहां आने वाले लोग ग्लास बॉटम बोट्स, स्नोर्केलिंग या स्कूबा डाइविंग के जरिए इसे देख सकते हैं। *

# ये हैं दुनिया के अनोखे म्यूजियम

{ अमेजिंग / रजनी अरोड़ा }

म्यूजियम, सभ्यताओं के विकास, इतिहास, कला-संस्कृति के संरक्षण के केंद्रस्थल होते हैं। आज इंटरनेशनल म्यूजियम-डे के अवसर पर, दुनिया भर में मौजूद करीब 38 हजार म्यूजियम्स में से अपनी तरह के कुछ अनोखे म्यूजियम्स के बारे में यहां बता रहे हैं।

### म्यूजियम ऑफ ब्रोकन रिलेशनशिप क्रोएशिया

इस म्यूजियम का कॉन्सेप्ट है-टूटे हुए रिश्ते की कहानी बयां करना। क्रोएशिया की राजधानी जाग्रेव में स्थित इस म्यूजियम में दुनिया भर के लोगों द्वारा दान की गई उन वस्तुओं (अंगूठी, कपड़े, उपहार) का कलेक्शन है, जो उनके टूटे हुए रिश्तों की यादगार हैं। हर वस्तु के साथ एक नोट लिखा हुआ है, जिसमें उस वस्तु और उससे जुड़े किस्से का विवरण दिया गया है। माना जाता है कि ऐसा करने से उन्हें अपने बिखरे हुए मन को हल्का करने का मौका मिलता है। *

### वेंट हेवन म्यूजियम अमेरिका

अमेरिका के केंटकी में स्थित इस म्यूजियम को डमी (पुतलों) म्यूजियम के नाम से भी जाना जाता है। विलियम शेक्सपीयर बर्जर ने 1910 में टॉमी बेलॉनी नामक आर्टिस्ट की पहली डमी खरीदी थी। 1962 में डमीज के कलेक्शन को रखने के लिए म्यूजियम बनाया गया। इस म्यूजियम में 800 से ज्यादा डमियों, तस्वीरों, प्लेविल्स, किताबों का कलेक्शन है। हर साल यहां एक कॉन्फ्रेंस भी आयोजित की जाती है, जिसमें शामिल होने दुनिया भर के विशेषज्ञ आते हैं। *

### सुलभ इंटरनेशनल म्यूजियम ऑफ टॉयलेट भारत

भारत की राजधानी दिल्ली में स्थित यह म्यूजियम टॉयलेट के विकास, डिजाइन और स्वच्छता के इतिहास को समर्पित है। इसकी स्थापना 1992 में सुलभ इंटरनेशनल नामक एक गैर-सरकारी संगठन ने की थी। इसमें 50 से अधिक देशों के शौचालयों और उनसे जुड़ी तकनीकों का प्रदर्शन किया गया है, जिनमें प्राचीन काल (2500 बीसी) से लेकर आधुनिक समय तक के टॉयलेट शामिल हैं। राजा लुई द्वारा दरबार में इस्तेमाल की जाने वाली टॉयलेट सीट की रेप्लिका, सोने से जड़े टॉयलेट, आधुनिक काल के विभिन्न डिजाइन के टॉयलेट प्रदर्शित किए गए हैं। इस म्यूजियम में टॉयलेट पर लिखी कविताओं का कलेक्शन भी है, जो पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। *

### म्यूजियम ऑफ ह्यूमन डिजीज ऑस्ट्रेलिया

यह एक पैथोलॉजिकल म्यूजियम है। यहां तकरीबन दो हजार मानव शरीर के विभिन्न अंगों और ह्यूमन टिशूज को प्रिजर्व किया गया है। इन्हें मनुष्य के ब्रेन डेड की स्थिति में या पोस्टमार्टम के दौरान ऑपरेशन करके इकट्ठा किया गया है। यहां रखे गए मानवांगों का अपना इतिहास है, जिनमें कुछ सौ साल से भी ज्यादा पुराने हैं। इनका इस्तेमाल कई बीमारियों के लिए रिसर्च करने के लिए किया जाता है। पर्यटकों को यहां अच्छी लाइफस्टाइल के बारे में काफी जानकारी मिलती है। यहां मेंटल हेल्थ, स्मोकिंग-एल्कोहल, ड्रग जैसे विषयों पर समय-समय पर प्रदर्शनी भी लगाई जाती है। *

### इंटरनेशनल स्पाई म्यूजियम अमेरिका

वाशिंगटन में स्थित यह म्यूजियम जासूसी की कलाकृतियों का दुनिया में सबसे बड़ा संग्रह है। यहां जासूसी प्रोफेशन के इतिहास, तकनीकों, छोटे कैमरे, स्पाई गैजेट्स, कोड ब्रेकर मशीन जैसे उपकरणों, हथियारों को प्रदर्शित किया गया है। ये मानव की सोचने-समझने की क्षमता और जासूसों की भूमिका को दर्शाती हैं। यहां पर्यटक जासूसी एडवेंचर्स में हिस्सा लेकर दुनिया भर के जासूसी फोटो, वीडियो और कहानियों के बारे में जान सकते हैं। *

### द डॉग कॉलर म्यूजियम इंग्लैंड

इस म्यूजियम की स्थापना के पीछे लीथ कैसल की मालकिन लेडी बेली का डॉग्स के प्रति प्रेम रहा है। इस म्यूजियम में दुनिया के अद्भुत डॉग्स कॉलर देखने को मिलते हैं। यहां 130 से ज्यादा दुर्लभ और मूल्यवान डॉग्स कॉलर प्रदर्शित किए गए हैं, जिन्हें आयरिश स्कॉलर जॉन हंट और उनकी वाइफ ने एकत्रित किया था। शाही हीरे जड़े कॉलर से लेकर पांच शताब्दियों पुराने सबसे छोटे, सबसे फैशनेबल बो टाई तक यहां रखे गए हैं। यह म्यूजियम इंसान और डॉग के रिश्ते के विकास को भी दर्शाता है। *

जिस तरह हर कंपनी का समय-समय पर ऑडिट करके उसकी प्रोग्रेस को एनालाइज किया जाता है, उसी तरह हमें अपनी लाइफ का भी ऑडिट करते रहना चाहिए। इसका क्या प्रोसेस है और इससे क्या फायदे होते हैं, आप जरूर जानना चाहेंगे।

# क्या आप भी करते हैं अपनी लाइफ का ऑडिट

{ लाइफस्टाइल / अंजू जैन }

अगर आपको अकसर लगता है कि आपकी जिंदगी में कहीं कोई प्रोग्रेस नहीं नजर आ रही है। आप जिंदगी को जी नहीं रहे, बस इसे बिता रहे हैं। अगर ऐसा है, तो यह वक्त है सेल्फ रिव्यू का यानी अपनी लाइफ को ऑडिट करने का। इससे आपको अपनी कमियां पता चलेंगी, जिससे उन्हें आप दूर कर पाएंगे।

**बनाएं लाइफ की ऑडिट रिपोर्ट:** एक डायरी में अपने लक्ष्य, उद्देश्य और प्राथमिकताओं को नोट करें। अब इसी डायरी में अब तक आपने क्या खोया और क्या पाया, यह भी लिखें। आपने जो खोया उससे क्या सबक सीखा, ये भी लिखें और कौन-सी गलतियां नहीं दोहरानी हैं, यह भी। जिंदगी का यह हिसाब-किताब आपको न सिर्फ आत्म मूल्यांकन का मौका देगा बल्कि आपको बेवजह की उलझनों और बाहरी व्यवधानों से प्रभावित होने से भी बचाएगा। यह क्रम एक रुटीन में होना चाहिए, जिसे आप हर तिमाही में जरूर करें। साल में कम से कम दो बार यह काम जरूर होना चाहिए। अगर आप अपनी जिंदगी को अपने हिसाब से जीना चाहते हैं, तो यह ऑडिट जरूरी है।

**ईमानदारी से करें सेल्फ रिव्यू:** 'देवी, दिवा ऑर शी-डेविल' और 'द स्मार्ट करियर वुमेंस सर्वाइवल गाइड' की लेखिका सुधा मेनन कुछ साल पहले एक बार अपने जीवन से पूरी तरह परेशान और असंतुष्ट हो गई थीं। अपने जीवन की समीक्षा करने पर उन्होंने पाया कि उनकी जिंदगी ओवर वर्क, थकान, बोरियत और पति की उदासीनता का शिकार हो चुकी थी। दरअसल, पति बेहद सज्जन थे और कम बोलते थे। सुधा को लगा कि वे उनके प्रति उदासीन हैं। उन्होंने पति से खुलकर बात की, तो समस्या हल हो गई। वह वक्त उनकी जिंदगी का टर्निंग प्वाइंट था। मेनन कहती हैं, 'लेकिन आत्मसमीक्षा के लिए और लाइफ ऑडिट के लिए आपका ईमानदार और साहसी होना जरूरी है। तभी आपको सही नतीजे मिलेंगे। अगर आप हर वक्त अस्त-व्यस्त रहते हैं, लगातार काम के बोझ से दबे रहते हैं, पारिवारिक जिम्मेदारियों को ठीक से पूरा नहीं कर पा रहे और न ही अपने नजदीकी लोगों की उम्मीदों पर खरे उतर रहे हैं, तो फिर समझ लीजिए कि आपको अपनी प्राथमिकताओं की समझ नहीं है। इसलिए यह बेहद महत्वपूर्ण है कि आप अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों और लक्ष्य की एक स्पष्ट सूची बनाकर रखें। इस आत्मसमीक्षा में आपको खुद के प्रति बेहद ईमानदार रहना होगा।

**पूर्वाग्रहों से बचिए:** कई बार हम जिंदगी को लेकर एक रटी-रटाई सोच अपना लेते हैं। अपनी विचारधारा बदलने को तैयार नहीं होते हैं। जैसे दुनिया कंप्यूटर पर काम कर रही है, तो भी आप टाइपराइटर के पीछे पड़े हैं। ऐसे पूर्वाग्रहों से आपके मन में जड़ता आ जाती है।

**फालतू चीजों को हटाएं:** लाइफ ऑडिट के दौरान खुद से कुछ सवाल पूछें जैसे- क्या मैं वही कर रहा हूं, जो मैं अपने जीवन से चाहता हूं? क्या मैं अपनी जिंदगी से संतुष्ट हूं? इन सवालों से जो जवाब मिलें उनसे आपको पता चल जाएगा कि आप आधी से ज्यादा बेकार चीजों के पीछे भागते रहे हैं और इसीलिए आपकी जिंदगी इतनी उलझी हुई और दुश्वार है। ऐसी सब चीजों को अपनी 'टू डू लिस्ट' से हटा दें। 'द लाइफ ऑडिट' की लेखिका कैरोलीन राइटन कहती हैं, 'इससे आपको अपनी जीवन यात्रा को समझने और अब तक की गई तरक्की या तरक्की में रुकावट बन रहे कारणों का पता चलता है। आपको यह भी पता चलता है कि आप कहां अटके हुए हैं। आपको अपनी इच्छाओं का भी पता चलता है।'

'मेक इट हैपेन' के लेखक और लाइफ कोच अरविंद देवलिया बताते हैं, 'अपने जीवन में छोटे-छोटे सामान्य परिवर्तन कीजिए।' अपनी जिंदगी के हर पहलू पर नजर डालिए- करियर, हेल्थ, रिलेशनशिप और देखिए आप क्या पसंद करते हैं और क्या बदलना चाहते हैं? इस दौरान पुरानी गलतियों को लेकर अपसेट बिल्कुल न हों। इसकी बजाय अपने भविष्य की प्लानिंग करें और सफलता के लिए छोटे-छोटे स्टेप उठाएं। ऐसे करेंगे तो आपकी जिंदगी पूरी तरह से बदल जाएगी, आप मनचाही सफलता पाएंगे। *

चाय को दुनिया में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला पेय माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस (21 मई) के अवसर पर जानिए, अपने देश में मिलने वाली अलग-अलग फ्लेवर्स की चाय के बारे में।

## ऊर्जा-ताजगी से कर दें सराबोर

# ये जायकेदार लाजवाब चाय

बिरयानी चाय, आगरा

{ रोचक / शिखर चंद जैन }

अगर आप चाय के शौकीन हैं तो सामान्य चाय, मसाला चाय, ब्लैक टी और ग्रीन टी तो अकसर पीते ही होंगे। लेकिन यहां हम आपको इनसे इतर अपने देश के अलग-अलग स्थानों की पॉपुलर चाय के बारे में बता रहे हैं।

**तड़के वाली चाय, अमृतसर:** पंजाब के लोग तड़के और मक्खन के खास शौकीन होते हैं। इस खास चाय को बनाने के लिए पिस्ता, बादाम, दालचीनी, इलायची, खसखस, गुलाब आदि को बटर में फ्राई किया जाता है और फिर इसे चाय में ऊपर से डाल दिया जाता है। अब आप अनुमान लगा सकते हैं कि इस खास पंजाबी तड़के वाली चाय में क्या शानदार स्वाद आता होगा।

**गुड़-गुड़ चाय, लद्दाख:** गुड़-गुड़ चाय एक स्मोकी ब्रिक टी है। यह खास तिब्बती पेमागुल चायपत्ती, नमक, याक के दूध और इसी दूध से बने मक्खन से बनती है। इस चाय से यहां मेहमानों का खास स्वागत किया जाता है। मलाईदार गुड़-गुड़ चाय का स्वाद अन्य चाय से एकदम अलग, नमकीन होता है।

**बिरयानी चाय, आगरा:** आगरा में तीन परतों वाली यह चाय बेहद खास मौकों पर मेहमानों को पिलाई जाती है। इसमें सबसे नीचे गाढ़ा दूध, बीच में रहती है ब्लैक टी, जो चक्र फूल और दालचीनी पावडर के साथ उबाली जाती है और सबसे ऊपर झाग वाला गाढ़ा-गाढ़ा दूध होता है। इसे पीकर तन ही नहीं मन भी नई ऊर्जा से भर उठता है।

**गुलाबी चाय, लखनऊ:** इस जायकेदार चाय को बनाने के लिए बेकिंग सोडा में चाय पत्तियों को देर तक उबाला जाता है। जब पत्तियां पूरी तरह अपना रंग छोड़ देती हैं तो फिर इन्हें दालचीनी, इलायची, तेजपत्ता, केवड़ा, लौंग, केसर और दूध के साथ उबालते हैं। पक कर तैयार होने के बाद ऊपर से रबड़ी और बादाम डाले जाते हैं। धी मी - धी मी पकी हुई इस लखनवी गुलाबी चाय को पीकर आप ऊर्जा से सराबोर हो जाएंगे।

**लेबू चाय, कोलकाता:** इस चाय को बनाने के लिए चाय पत्ती को पहले अच्छी तरह खौलाते हैं फिर इसे छानकर इसमें नीबू का रस, काला नमक, जीरा पावडर, काली मिर्च आदि डालकर सर्व करते हैं। इसमें दालचीनी, लौंग भी डाली जा सकती है।

**तंदूरी चाय, दिल्ली:** पंजाब और दिल्ली में तंदूरी चाय का खूब प्रचलन है। दूध में चायपत्ती, इलायची, पुदीना आदि मिलाकर पहले चाय बनाई जाती है। फिर एक गर्म तंदूर में कुल्हड़ को बेहद गर्म होने के बाद इसे चाय में डुबाकर चाय निकाली जाती है या फिर ऐसे तपते कुल्हड़ों में ही चाय डाल दी जाती है। मिट्टी के कुल्हड़ की सोंधी-सोंधी खुशबू और अनूठे स्वाद वाली यह चाय तन-मन को ताजगी से भर देती है। *

# भय और आतंक के पर्याय फिल्मों के यादगार खलनायक

शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों में नायक-नायिकाओं की तरह खलनायकों का भी महत्व रहा है। कई कलाकारों ने बतौर विलेन भरपूर प्रसिद्धि हासिल की। यहां आपको कुछ ऐसे ही यादगार विलेन कैरेक्टर्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें दर्शक फिल्मी पर्दे पर भय और आतंक का पर्याय मानते हैं।

{ बड़ा पर्दा / अशोक जोशी }

जिस तरह अतीत से लेकर आज तक देश-दुनिया में कई बार वीभत्स आतंकी घटनाएं घटित होती रहती हैं। समाज में कुछ अपराधी, भयावह घटनाओं को अंजाम देते हैं, उसी तरह हमारी फिल्मों में भी कुछ खलनायकों के चरित्र को इस तरह गढ़ा गया, जो यादगार बन गए। इनके पर्दे पर आते ही दर्शकों के मन-मस्तिष्क में भय और आतंक छा जाता है। हिंदी फिल्मों के ऐसे ही कुछ यादगार निगेटिव किरदारों पर एक नजर-

### शुरुआती फिल्मों के खलनायक

बी.एम. व्यास

हिंदी सिनेमा में नकारात्मक चरित्र, सनकी किरदारों को तब से ही पेश किया जाता रहा है, जब से सिनेमा की शुरुआत हुई थी। उस दौर की अधिकांश फिल्में पौराणिक कथाओं पर आधारित हुआ करती थीं। उनमें कभी भूत-प्रेत, कभी दानव और राक्षस के रूप में इस तरह के सनकी किरदार पर्दे पर आते थे। पौराणिक फिल्मों में भय और आतंक मचाने में उन दिनों बी.एम. व्यास, हीरालाल और हबीब जैसे कलाकारों को महारथ हासिल थी।

### ऐतिहासिक फिल्मों के खलनायक

पौराणिक फिल्मों के बाद ऐतिहासिक फिल्मों का दौर आया, जिसमें चंगेज खां, हलाकू जैसे खतरनाक सनकी ऐतिहासिक पात्र पर्दे पर प्रस्तुत किए गए। इन किरदारों को पर्दे पर निभाकर कभी प्रेमनाथ, कभी शेख मुख्तार तो कभी प्राण दर्शकों में खौफ पैदा कर देते थे।

### प्राण का यादगार किरदार राका

आगे चलकर ऐसे कई कलाकार आए, जिन्होंने नए-नए तरीके अपनाकर फिल्मी पर्दे पर आतंक और भय का वातावरण रचने में योगदान दिया। 'जिस देश में गंगा बहती है' का राका ऐसा ही खुंखार डाकू था, जो दुल्हनों के गले से आभूषण खींचते समय यह परवाह तक नहीं करता था कि इससे गला कट कर दुल्हन डोली पर चढ़ने के बजाय अर्थी पर चढ़ जाती है। प्राण ने अपने अभिनय कौशल से इस वहशी डाकू के किरदार में जान डाल दी थी।

### हमेशा रहेंगे याद गब्बर, मोगैंबो, शाकाल

सिनेमा के पर्दे पर हिंसा और सनक की पराकाष्ठा 'शोले' के गब्बर सिंह में देखी जा सकती है। अमजद खान ने इस किरदार को पूरी शिद्दत के साथ निभाया था। आज भी अमजद खान का जिक्र आते ही आंखों के सामने डाकू गब्बर सिंह का चेहरा ही उभरता है। इसी तरह 'मिस्टर इंडिया' का मोगैंबो भी आतंक और सनक का दूसरा नाम था। यह अमरीश पुरी के शानदार अभिनय का ही कमाल था कि फिल्म में जैसे ही मोगैंबो के रूप में अमरीश पुरी की एंट्री होती है, दर्शकों की सांसें थम-सी जाती हैं। 'शोले' बनाने वाले रमेश सिप्पी की ही फिल्म 'शान' का विलेन शाकाल भी कम सनकी और खतरनाक नहीं था। फिल्म में शाकाल बात-बात में लोगों को मगरमच्छ की खुराक बना देता है। शाकाल का किरदार, इस भूमिका को निभाने वाले एक्टर कुलभूषण खरबंदा की पहचान से जुड़ गया था।

### नायक भी बने खलनायक

**कई ऐसी** साइको थ्रिलर फिल्में बनी हैं, जिसमें नायक का किरदार निभाने वाले एक्टर्स ही नेगेटिव कैरेक्टर में दिखे। 'बाजीगर', 'डर' और 'अंजाम' जैसी फिल्मों में शाहरूख खान द्वारा निभाए गए नेगेटिव रोल्स दर्शकों के जेहन में आज भी ताजा हैं। इसी तरह 'अग्नि साक्षी' में नाना पाटेकर और 'दरार' में अरबाज खान ने ऐसे पति की भूमिका निभाई, जो सनक की सारी हदें पार कर जाता है।

### ये किरदार भी हैं यादगार

'हम', 'घातक', 'क्रांतिवीर', धुंध जैसी फिल्मों में भय, आतंक और सनकी कैरेक्टर्स का रोल डैनी डेंजोंगप्पा ने निभाया। आशुतोष राणा ने फिल्म 'संघर्ष' में लज्जा शंकर पांडे बनकर दर्शकों को खूब डराया तो 'दुश्मन' में उन्होंने गोकुल पंडित के किरदार में भरपूर वाहवाही बटोरी। इन दोनों फिल्मों में आशुतोष राणा ने सनकीपन और वहशीपन को पर्दे पर कुछ इस तरह पेश किया कि दर्शक आज भी इनको नहीं भूल पाए हैं। 'चाइना गेट' में मुकेश तिवारी द्वारा निभाया गया जगीरा का किरदार भी एक अलग किस्म का भय का माहौल रचता है। गुलशन ग्रोवर भी तरह-तरह के गेटअप बदल कर 'बैडमैन' के चरित्र को पर्दे पर पेश कर सनक का सिलसिला आगे बढ़ाते रहे हैं। अजय देवगन ने फिल्म 'दीवानगी' में शातिर और सनकी तरंग भारद्वाज का किरदार निभाया था। 'रमन राघव' में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने साइको किलर की बेहतरीन भूमिका निभाई तो 'एक विलेन' में सनकी प्रेमी और हत्यारे की भूमिका में रितेश देशमुख ने जान डाल दी थी। 'पद्मावत' में रणवीर सिंह, अलाउद्दीन खिलजी के किरदार में बेहद खतरनाक लगे। हाल में आई कुछ फिल्मों की बात करें तो बॉबी देओल ने 'एनिमल' में और 'छावा' में अक्षय खन्ना ने अपने निभाए किरदारों के माध्यम से भय का माहौल रचा। *

बॉबी देओल

मुकेश तिवारी

आशुतोष राणा

### पीछे नहीं रहीं खलनायिकाएं

**ऐसी बात** नहीं कि पर्दे पर सनकी या साइको किलर के किरदार निभाने में केवल मेल एक्टर्स का ही एकाधिकार रहा है। कई फी-मेल एक्ट्रेस ने भी इस तरह के किरदारों को बखूबी निभाकर दर्शकों को हैरत में डाल दिया। 'गुप्त' में काजोल और 'कौन' में उर्मिला मातोंडकर द्वारा निभाए गए किरदारों ने दर्शकों को अचंभे में डाल दिया था।